RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 262 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बुधवार, 10 सितंबर, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

सेना के हाथ में अब नेपाल, यूपी में अलर्ट

सड़कों पर उतरी सेना, हथियार सरेंडर करने की अपील, पूरे देश में कर्फ्यू

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल में भारी अशांति और हिंसक प्रदर्शन हो रहे हैं, जिसके कारण नेपाल की सेना ने पूरे देश में कर्फ्यू लगा दिया है। यह कर्फ्यू बुधवार (10 सितंबर 2025) को शाम 5 बजे से गुरुवार सुबह 6 बजे तक लागू रहेगा। नेपाल की सेना ने त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और सिंहदरबार जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर नियंत्रण ले लिया है। सेना ने प्रदर्शनकारियों से अवैध हथियार जमा करने की अपील की है। नेपाल में हिंसा को देखते हुए भारत के राज्य उत्तर प्रदेश व बिहार में सीमावर्ती इलाकों में हाई अलर्ट घोषिता कर दिया गया है।

नेपाल की राजधानी काठमांडू और अन्य शहरों में जेन-जी के नेतृत्व में बड़े प्रदर्शन शुरू हुए। ये प्रदर्शन 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स, जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम (शेष पृष्ठ-4 पर)

नेपाली मीडिया आउटलेट कांतिपुर मीडिया समूह के मुख्यालय से धुएं का गुबार उठ रहा है, जिसे कल काठमांडू में विरोध प्रदर्शन के हिंसक हो जाने के कारण आग लगा दी गई थी।

जेनरेशन-Z ने रखी मांगें

अब जेनरेशन जेड प्रदर्शनकारियों ने कई राजनीतिक और सामाजिक मांगें रखी हैं। इन मांगों में संविधान को फिर से लिखने या संशोधन करने, शासन में व्यापक सुधार और पिछले तीन दशकों में राजनेताओं की ओर से लूटी गई संपत्तियों की जांच शामिल है। आंदोलन के दौरान एलान किया गया कि विरोध प्रदर्शनों के दौरान जान गंवाने वाले सभी लोगों को आधिकारिक तौर पर शहीदों का दर्जा दिया जाएगा और उनके परिवारों को राजकीय सम्मान, सम्मान और राहत दी जाएगी। आयोजकों ने बेरोजगारी से निपटने, पलायन पर अंकुश लगाने और सामाजिक अन्याय को दूर करने के लिए विशेष कार्यक्रमों का भी वादा किया है।

यूपी में सीमाएं सील, सोशल मीडिया पर नजर

लखनऊ (एजेंसी)। नेपाल में चल रहे विद्रोह और बगावत के बीच यूपी सरकार अलर्ट मोड पर है। प्रदेश की सीमाओं को सील करने के साथ-साथ सोशल मीडिया पोस्ट पर निगरानी की जा रही है। पुलिस की एक विशेष यूनिट सोशल मीडिया पोस्ट पर निगाह रख रही है। किसी भी तरह की भड़काऊ पोस्ट मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। राज्य की योगी सरकार ने नेपाल में फंसे भारतीयों के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया है। लखनऊ में इसका कंट्रोल रूम बनाया गया है।

सीमावर्ती इलाकों में तनाव के हालात पर नजर रखने के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रशासन को सतर्क रहने के निर्देश दिए है। यूपी डीजीपी राजीव कृष्ण ने नेपाल सीमा से सटे सभी जिलों में पुलिस को 24 घंटे अलर्ट रहने का निर्देश दिया है। इलाकों में अतरिक्त पुलिस फोर्स की भी तैनाती कर दी गई है। पुलिसकर्मी लगातार पेट्रोलिंग और निगहबानी कर रहे हैं। यूपी सरकार ने पुलिस मुख्यालय को सोशल मीडिया पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए हैं साथ ही कहा है कि मामला संवेदनशील होने पर तुरंत कार्रवाई करें।

नेपाल में हिंसक प्रदर्शन की आग मंगलवार को भारत के लखीमपुर खीरी जिले के गौरीफंटा की सीमा से सटे धनग?ी के कैलाली जिले में भी पहुंच गई। इसके बाद भारतीय सीमा सील कर दी गई। लखीमपुर खीरी की डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल और एसपी संकल्प ने शर्मा रात करीब साढ़े नौ बजे सीमा पर पहुंचकर एसएसबी जवानों के साथ पैदल गश्त की। पीलीभीत की नेपाल सीमा भी अघोषित तौर पर सील कर आवाजाही रोक दी गई है।

हेल्पलाइन नम्बर जारी
05222390257
05222724010
9454401674

राहुल गांधी का BJP कार्यकर्ताओं ने रोका काफिला

पोस्टर बना चर्चा का विषय

सांसद राहुल गांधी के रायबरेली दौरे के दौरान शहर में लगा एक पोस्टर चर्चा का विषय बन गया है। होर्डिंग पर लिखा गया है, इंडिया की अंतिम आस, कलयुग के ब्रह्मा, विष्णु , महेश।

लखनऊ (एजेंसी)। दो दिवसीय रायबरेली दौरे के तहत लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी बुधवार सुबह लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचे जहां पर उनका स्वागत किया गया। इस मौके पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय , कांग्रेस नेता आराधना मिश्रा मोना राहुल गांधी को रिसीव करने एयरपोर्ट पहुंचे। लखनऊ से जब राहुल गांधी का काफिला रायबरेली के लिए रवाना हुआ तो लखनऊ-प्रयागराज हाईवे पर हरचंदपुर थाना क्षेत्र के महावीर कॉलेज के सामने भाजपा कार्यकर्ताओं ने पार्टी नेता दिनेश प्रताप सिंह के नेतृत्व में राहुल गांधी का काफिला रोक दिया और गाड़ियों के आगे बैठ गए। भाजपा कार्यकर्ता राहुल गांधी के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रहे थे। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी बुधवार सुबह लखनऊ पहुंचे। यहां से राहुल गांधी रायबरेली के लिए निकल गए। जिले की सीमा पर पड़ने वाले चुरुवा मंदिर पर नहीं रुका। (शेष पृष्ठ-4 पर)

महिला का ध्यान भटका कर उड़ाया फोन

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-2 क्षेत्र में कार सवार महिला का ध्यान भटका कर दो चोरों ने उसके महंगे मोबाइल फोन पर हाथ साफ कर दिया। पीड़िता ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा मदद कराया है। सेक्टर 63 में रहने वाली नेहा राजन ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 27 अगस्त की शाम को सेक्टर 142 स्थित ऑफिस से घर लौट रही थी। इस दौरान उसके पति का फोन आया। फोन सुनने के पश्चात उसने उसे ड्राइविंग सीट के बराबर वाली सीट पर रख दिया। दादरी रोड पर सैमसंग चौक के पास ट्रैफिक जाम लगा हुआ था। इस कारण गाड़ी काफी धीमी गति से चल रही थी। इस दौरान एक व्यक्ति ने उसकी तरफ का शीशा खटखटाकर कहा कि वह कार देख कर (शेष पृष्ठ-4 पर)

कॉलेज हॉस्टल गोलीकांड में दूसरे छात्र की भी मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र में स्थित एक निजी कॉलेज के हॉस्टल के कमरे में हुए गोली कांड में घायल दूसरे छात्र ने भी बुधवार तड़के अस्पताल में दम तोड़ दिया। मालूम हो कि कल सुबह दो लड़कों ने आपस में गोली मार ली। इस घटना में एक छात्र की मौके पर ही मौत हो गई है जबकि दूसरा अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच झूल रहा था। पुलिस ने हॉस्टल के कमरे से एक लाइसेंसी रिवॉल्वर, चार जिंदा कारतूस और दो खोखा बरामद किये थे।

आपको बता दें कि ग्रेटर नोएडा के थाना नॉलेज पार्क के एक निजी कॉलेज के नॉलेज पार्क थर्ड में स्थित हॉस्टल के कमरे में गोली चलने की सूचना थाना पुलिस को मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस को (शेष पृष्ठ-4 पर)

ईनामी बदमाश के साथ मुठभेड़

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। चोरी के मामलों में वांछित चल रहे 15 हजार रुपए के इनामी बदमाश को थाना ईकोटेक 3 पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से बदमाश घायल हो गया। सेंट्रल जोन की एडीसीपी श्रीमती शैव्या गोयल ने बताया कि थाना पुलिस द्वारा गोल चक्कर पर संदिग्ध वाहन एवं व्यक्तियों की चेकिंग की जा रही थी। पुलिस ने बाइक पर आ रहे एक व्यक्ति को रुकने के लिए इशारा किया। पुलिस को देखकर उक्त व्यक्ति बाइक मोड़कर भागने लगा। हड़बड़ी में उसकी बाइक स्लिप होकर गिर गई। (शेष पृष्ठ-4 पर)

कार की टक्कर से स्कूटी सवार महिला की मौत

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर 24 क्षेत्र में तेज गति में कार चला रही महिला ने स्कूटी में टक्कर मार दी। इस हादसे में स्कूटी सवार महिला की मौत हो गई जबकि उसका बेटा व ससुर घायल हो गए। हादसे के बाद महिला कार चालक मौके से फरार हो गई। खोड़ा कॉलोनी गाजियाबाद निवासी चंदन सिंह अपनी पुत्रवधू दिव्या व 2 साल के पोते जियांस के साथ नोएडा के सेक्टर 35 गए थे। यह सभी लोग स्कूटी से वापस लौट रहे थे। उनकी स्कूटी जैसे ही प्रकाश अस्पताल के पास बने अंडरपास पर पहुंची तो पीछे से तेज गति में कार लेकर आ रही महिला ने स्कूटी में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से स्कूटी सवार चंदन सिंह, उनका 2 वर्षीय (शेष पृष्ठ-4 पर)

चंदगीराम बने भाजपा सेवा पखवाड़े के संयोजक

भाजयुमो के सतेन्द्र अवाना बने नोएडा के प्रवासी, काजल त्यागी जिला प्रवासी

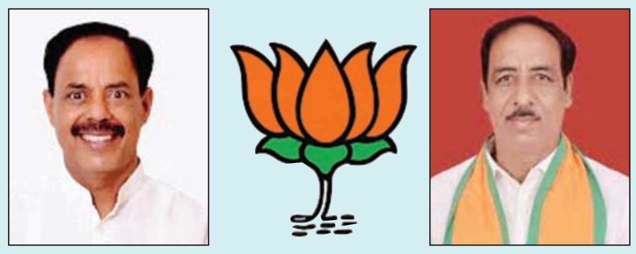

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी के 17 सितंबर से शुरू होने वाले सेवा पखवाड़ा की जिम्मेदारी निभाने के लिए भाजपा के नोएडा महानगर के महामंत्री चंदगीराम यादव को संयोजक बनाया गया है।

वहीं हरौला निवासी तथा भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष सतेन्द्र अवाना को नोएडा महानगर प्रवासी नियुक्त किया गया है। यह जानकारी भाजपा के नोएडा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान ने दी।

जिलाध्यक्ष श्री चौहान ने बताया कि 17 से 2 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा पखवाड़े के लिए कार्य योजना तैयार करने के लिए लगातार बैठकें की जा रही हैं। सभी प्रकोष्ठों को भी इस अभियान में जुटने का आह्वान किया गया है। नोएडा महानगर में चंदगीराम यादव को संयोजक नियुक्त किया गया है। वहीं अन्य प्रकोष्ठों के प्रभारियों की भी शीघ्र ही घोषणा कर दी जाएगी। बता दें कि भाजयुमो क्षेत्रीय मंत्री काजल त्यागी को जिला गौतमबुद्धनगर का प्रवासी नियुक्त किया गया है।

जमीन पर कब्जे का आरोप

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर 126 में एक व्यक्ति ने जमीन पर जबरन कब्जा करने तथा जान से मारने की धमकी देने के आरोप में दबंग के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित का आरोप है कि उससे उधार लिए गए 13 लाख रुपए को भी आरोपी नहीं लौटा रहा है। सेक्टर 105 नोएडा में रहने वाले पवन राघव ने बताया कि उसकी ग्राम असगरपुर सेक्टर 128 में जमीन है। इस जमीन पर ग्राम गढ़ी शाहपुर निवासी हरीश शर्मा कब्जा करना चाहता है। 31 अगस्त की रात्रि को लोहे के पाइप लगाकर तथा बाउंड्री (शेष पृष्ठ-4 पर)

18 करोड़ की लागत से बनेगा अत्याधुनिक बस स्टैंड

सीईओ के समक्ष हुआ प्रेजेंटेशन, शीघ्र डिजाइन को मिलेगा एप्रूवल

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-37 में बोटेनिकल गार्डेन में 18 करोड़ रूपये की लागत से अत्याधुनिक बस स्टैंड बनाया जाएगा। यह बस स्टैंड करीब 2.5 एकड़ क्षेत्रफल में होगा। यह जानकारी नोएडा प्राधिकरण के महाप्रबंधक (टीएसी) एसपी सिंह ने दी।

उन्होंने बताया कि इसे मार्डन बनाया जाएगा। इसका डिजाइन तैयार किया गया है। इसका एक प्रजेंटेशन सीईओ नोएडा प्राधिकरण के सामने किया। जल्द ही डिजाइन को अप्रूवल मिलेगा। जिसके बाद निर्माण शुरू होगा। जिसमें 26 बसों की पार्किंग के लिए 4900 वर्गमीटर का स्पेस होगा। इसमें बसो के लिए चार्जिंग स्टेशन होंगे। पैदल चलने के लिए 7000 वर्गमीटर में पेडिस्ट्रेन होगा। करीब 300 मीटर लंबी रोड इंफ्रा होगी।

श्री सिंह ने बताया कि बस स्टैंड बिजली के अलावा सोलर पैनल पर संचालित होगा। ताकि बिजली की खपत को कम किया जा सके। इसके अलाव डेकोरेटिव लाइट्स, साइनेज, स्क्रीन डिस्प्ले और बस चार्जिंग पाइंट भी बनाए जाएंगे। इन सभी को मिलाकर एक डिजाइन तैयार किया गया। जिसमें सभी शामिल किया गया। जिन 500 बसों का संचालन नोएडा में सिटी बस के तौर पर किया जा रहा है उसी बसों का संचालन यहां से किया जाएगा। यहां से ग्रेटरनोएडा, नोएडा एयरपोर्ट के अलावा अन्य स्थानों के लिए बस मिलेंगी। (शेष पृष्ठ-4 पर)

हाजीपुर में प्राधिकरण की सील तोड़कर किया अवैध निर्माण

पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज

नोएडा (चेतना मंच)। प्राधिकरण की अर्जित भूमि पर अतिक्रमण करने के मामले में एक नामजद और पांच अज्ञात के खिलाफ सेक्टर-39 थाने में केस दर्ज कराया गया है। केस वर्क सर्किल आठ के सहायक प्रबंधक की ओर से दर्ज कराया गया है।

शिकायत में प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि हाजीपुर गांव में खसरा संख्या 412 की भूमि प्राधिकरण की है और इस पर कब्जा प्राप्त है। संबंधित भूमि पर एटीएस हेमलेट सोसाइटी निवासी सुनील त्यागी द्वारा अतिक्रमण किया जा रहा है। सुनील के खिलाफ छह जून 2024 को थाने में तहरीर दी गई थी। वर्क सर्किल आठ की ओर से 31 अक्टूबर 2023, सात जनवरी 2024 और 21 मई 2025 तक अवैध बिल्डिंग को तीन बार सील किया जा चुका है। सील की देखकर करने के लिए संबंधित थाने को निर्देशित किया गया था। कुछ समय पहले सुनील और उसके साथियों ने प्राधिकरण द्वारा लगाई गई सील को तोड़ दिया और बिल्डिंग में अवैध निर्माण प्रारंभ कर दिया। वर्क सर्किल आठ की टीम द्वारा जब अतिक्रमण को रोकने का प्रयास किया गया तो सुनील के कहने पर वहां काफी लोग एकत्र हो गए। लोगों ने प्राधिकरण की टीम के साथ अभद्रता और हाथापाई करने का प्रयास किया गया। प्राधिकरण के अधिकारियों ने (शेष पृष्ठ-4 पर)

डीएनडी के दूसरे चरण का उच्चीकरण कार्य शीघ्र

एनटीबीसीएल ने की घोषणा, खर्च होंगे 6 करोड़ रुपए

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा टोल ब्रिज कंपनी लिमिटेड एनटीबीसीएल अब डीएनडी फ्लाईओवर के दूसरे चरण का उच्चीकरण कार्य शीघ्र शुरू करेगा। जिसमें करीब 6 करोड़ रूपए की लगात आएगी। इसे लेकर बोर्ड की ओर से पिछली बैठक में मंजूरी दी गई थी। इस बीच नोएडा प्राधिकरण ने बताया कि शहर की सड़कों की मरम्मत का काम अगले सप्ताह में शुरू हो जाएगा।

जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, पहले चरण के काम में फ्लाईओवर की करीब 60 फीसदी सड़क की मरम्मत की गई थी। इसमें बिजली और लाइटिंग के काम भी शामिल थे। सेकेंड फेज में मुख्य रूप से माइक्रो-सरफेसिंग यानी सड़क की ऊपरी परत को बेहतर बनाने के साथ ही उसे मजबूत करने और किनारे की सुरक्षा समेत अन्य जरूरी काम किए जाएंगे।

जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक, मरम्मत का काम इसलिए किया जा रहा है ताकि एनसीआर के इस महत्वपूर्ण मार्ग पर सुरक्षा, सुगम आवाजाही के साथ मजबूत रोड इंफ्रास्ट्रक्चर सुनिश्चित की जा सके। मरम्मत का काम जनवरी 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है।

इस दौरान फ्लाईओवर के कुछ हिस्सों पर लोगों को थोड़ी असुविधा हो सकती है। बता दें कि दिल्ली और नोएडा (शेष पृष्ठ-4 पर)

दुखी युवा

दशकों मान्यता रही है कि समाज का मिडल ऐज ग्रुप दुःखी व तनाव में और युवा व बुजुर्ग प्रसन्न रहते हैं। लेकिन हालिया प्रकाशित एक अध्ययन ने बताया कि दुःख की शुरुआत अब युवा अवस्था में हो रही है। अमेरिका, ब्रिटेन, एशिया, अफ्रीका समेत मध्यपूर्व के 44 देशों में यह ट्रेंड देखा गया है। जिसमें भविष्य की अनिश्चितता व कार्य परिस्थितियों का दबाव तो है मगर बड़ा कारक सोशल मीडिया बताया जा रहा है। दरअसल, लगातार सोशल मीडिया से जुड़े रहने और यथार्थ से दूर रहने के कारण युवा जीवन की वास्तविक स्थितियों का मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं। आभासी मीडिया उन्हें बड़े-बड़े सपने तो दिखाता है, लेकिन जीवन की कठोर सच्चाई से अवगत नहीं कराता है। यही वजह है कि जहां पहले मिड ऐज ग्रुप यानी 40 से 50 आयु वर्ग दुखी माना जाता था, उसके स्थान पर दुःख की शुरुआत अब युवा उम्र से ही होने लगी है। हालिया, ग्लोबल माइंड प्रोजेक्ट के आंकड़ों में, अफ्रीका, यूरोप, लैटिन अमेरिका, एशिया, अमेरिका व मिडल ईस्ट के 44 देशों का अध्ययन बताता है कि बुजुर्गों की तुलना में युवाओं का मानसिक स्वास्थ्य ज्यादा खराब है। वेब आधारित इस सर्वे में पर्याप्त डेटा जुटाया गया था। जो बताता है कि यह ट्रेंड केवल विकसित देशों में ही नहीं है, बल्कि वैश्विक स्तर पर है। आंकड़े बताते हैं कि हर नई पीढ़ी अब पहली के मुकाबले ज्यादा तनाव में है। वहीं दूसरी तरफ अमेरिका व ब्रिटेन में किए गए एक अन्य सर्वे में कम पढ़े-लिखे युवा कर्मियों में अवसाद ज्यादा पाया गया है। पहले मान्यता रही है कि नौकरीपेशा लोगों में नौकरी मिलने के बाद तनाव कम होता है,लेकिन आज हकीकत ठीक इसके विपरीत है। ब्रिटेन के एक सर्वे में कहा गया है कि साल 2016 के बाद चालीस से कम उम्र के युवाओं में चिंता व अवसाद पहले के मुकाबले ज्यादा हो गया है। वैसे यह भी हकीकत है कि जिन देशों में रोजगार की स्थिति बेहतर है, वहां मानसिक सेहत में सुधार हुआ है। दरअसल, तमाम अध्ययन बता रहे हैं कि सोशल मीडिया में लगातार सक्रियता युवाओं को वास्तविक सामाजिक जीवन से दूर कर रही है। वे कृत्रिम जीवन में जी रहे हैं। जब हम समाज व मित्रों के बीच सक्रिय रहते हैं तो बातचीत से तनाव मुक्त रह सकते हैं। देर रात तक सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने से युवाओं का नींद का चक्र बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है। आभासी मित्रता के बजाय आमने-सामने की बातचीत सेहत के लिये ज्यादा लाभकारी होती है। यह जीवन की हकीकत है कि हमारे जीवन में योगदान देने वालों के प्रति यदि हम कृतज्ञता का भाव रखते हैं तो हमारा जीवन- व्यवहार सहज हो जाता है। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि हम जिन चीजों के प्रति कृतज्ञ हैं, उनके बारे में लिखने से हमारा नजरिया बदलता है। हमारा मानसिक स्वास्थ्य इस बात पर निर्भर करता है कि हमारी दिनचर्या कितनी अनुशासित व संतुलित है। रात को जल्दी सो जाने और सूर्योदय के साथ उठने से हम दिनभर प्रफुल्लित रह सकते हैं। विडंबना यह भी कि सोशल मीडिया पर आधुनिक जीवन की जो चमक-दमक दिखायी जाती है,युवा उसको पाने की आकांक्षा करने लगते हैं। लेकिन जीवन का यथार्थ कठोर है। निस्संदेह, वैज्ञानिक उन्नति व तकनीकी विकास से पूरी दुनिया में रोजगार के अवसरों का संकुचन हुआ है। श्रम आधारित उद्योगों के बजाय कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाले उद्योगों के बढ़ने से यह स्थिति पैदा हुई है। साथ ही नौकरियों में अस्थिरता व असुरक्षा के चलते भविष्य को लेकर जो अनिश्चितता पैदा होती है, उससे युवाओं में तनाव की वृद्धि होती है। भौतिकवादी नजरिये के चलते आज के युवा जिस जीवनशैली की आकांक्षा रखते हैं, वह पूरी न होने पर भी वे डिप्रेशन के शिकार बन जाते हैं। युवाओं को जीवन के कठोर यथार्थ से जूझने का संबल देना वक्त की जरूरत है। असीमित आकांक्षाओं व जीवन के यथार्थ में साम्य स्थापित करना तमाम समस्याओं का समाधान देता है। सोशल मीडिया से सुरक्षित दूरी इसमें मददगार साबित हो सकती है।

भ्रष्टाचार रोकने वाला कानून हो पाएगा पास?

संविधान का 130वां संशोधन विधेयक 2025 संसद के मानसून सत्र के दौरान 20 अगस्त दिन बुधवार को लोकसभा में जब पेश किया गया, तब सदन में अभूतपूर्व हंगामा दिखा। कह सकते हैं कि अराजक दृश्यों के बीच संक्षिप्त चर्चा के बाद इसे संसद की संयुक्त समिति को भेज दिया गया। अब इस विधेयक पर संसद की संयुक्त समिति सुझाव मांगेगी और अपने संशोधनों के साथ सदन में भेजेगी। तब कहीं जाकर चर्चा होगी और विधेयक पास हो पाएगा। लेकिन जिस तरह विपक्ष इस विधेयक की राह में अड़ंगे डाल रहा है, उससे लगता नहीं कि संयुक्त समिति में भी इसे आसानी से वह आम राय बनाने देगा और भ्रष्टाचार के खात्मे की दिशा में मील का पत्थर माना जाने वाला यह विधेयक पास हो पाएगा।

अव्वल तो होना यह चाहिए कि भ्रष्टाचार को रोकने, सर्वोच्च स्तर तक के लोगों को जवाबदेह बनाने वाले विधेयक पर पक्ष ही नहीं, विपक्ष को भी साथ होना चाहिए। लेकिन विपक्ष इस पर हंगामा मचाए हुए है। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि इस विधेयक के प्रावधान क्या हैं। जिन पाठकों को संसद की संयुक्त समिति की जानकारी नहीं है, उनके लिए यह भी बताना जरूरी हो जाता है कि यह समिति आखिर है क्या और इसका क्या अधिकार है?

इस संविधान संशोधन विधेयक में कहा गया है कि जो भी मंत्री, किसी गंभीर अपराध के लिए 30 दिनों तक जेल में रहेगा, वह अपना पद खो देगा। इस कानून के तहत 0कोई मंत्री, पद पर रहते हुए लगातार तीस दिनों की अवधि के दौरान, किसी ऐसे कानून के तहत किसी अपराध के आरोप में गिरफ्तार किया जाता है या हिरासत में रखा जाता है, जिसके तहत पांच वर्ष या उससे अधिक जेल हो सकती है, उसे हिरासत में लिए जाने के इकतीसवें दिन तक मुख्यमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा उसे उसके पद से हटा दिया जाएगा। इस विधेयक में कहा गया है कि, यदि ऐसे मंत्री को हटाने के लिए मुख्यमंत्री की सलाह इकतीसवें दिन तक राष्ट्रपति को नहीं दी जाती है, तो वह उसके बाद खुद-ब-खुद मंत्री नहीं रह पाएगा।

विपक्षी निशाने पर आया यह विधेयक संविधान के अनुच्छेद 75 में संशोधन करेगा, जो मुख्य रूप से प्रधानमंत्री सहित मंत्रिपरिषद की नियुक्ति और जिम्मेदारियों से संबंधित है। इस विधेयक में मंत्री के जेल से वापस आने के बाद को लेकर स्पष्टता तो नहीं है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजमी है कि जब मंत्री जेल से रिहा हो जाएंगा तो क्या होगा? वैसे माना जा रहा है कि विधेयक के प्रावधानों के तहत, सैद्धांतिक रूप से यह संभव हो सकेगा कि संबंधित मंत्री जेल से बाहर आने के बाद पुनः नियुक्त किया जा सकृता है। इस विधेयक की उपधारा एक का प्रावधान कहता है कि कोई बात ऐसे मुख्यमंत्री या मंत्री को हिरासत से रिहा होने पर राष्ट्रपति द्वारा बाद में मुख्यमंत्री या मंत्री नियुक्त किए जाने से नहीं रोकेगी। विपक्ष को लगता है कि केंद्र सरकार जानबूझकर विपक्षी मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को निशाना बनाने के लिए यह विधेयक लेकर आई है। वैसे माना जा रहा है कि शराब नीति घोटाले में जब अरविंद केजरीवाल को

विपक्षी निशाने पर आया यह विधेयक संविधान के अनुच्छेद 75 में संशोधन करेगा, जो मुख्य रूप से प्रधानमंत्री सहित मंत्रिपरिषद की नियुक्ति और जिम्मेदारियों से संबंधित है। इस विधेयक में मंत्री के जेल से वापस आने के बाद को लेकर स्पष्टता तो नहीं है।

प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया, तब भी उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया। इसकेपहले तक होता रहा है कि जब किसी मंत्री या मुख्यमंत्री पर आरोप लगते हैं तो गिरफ्तारी के पहले ही वे इस्तीफा देते रही हैं। 1997 में चारा घोटाले में जब लगा कि लालू यादव की गिरफ्तारी हो जाएगी तो उन्होंने इस्तीफा दे दिया। इसी तरह 2024 में जब झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेने को लगा कि वे गिरफ्तारी से नहीं बच पाएंगे तो उन्होंने इस्तीफा दे दिया और इस्तीफा देते ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया गया था। लेकिन केजरीवाल ने तब इस्तीफा दिया,जब उन्हें जेल में रहते किसी फाइल पर हस्ताक्षर करने या जमानत मिलने के बाद भी मुख्यमंत्री के दफ्तर ना जाने की शर्त सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी। विपक्ष का तर्क है कि केंद्र सरकार अक्सर बदले की भावना के साथ काम करती है और उसके निर्देशन में काम करने वाला प्रवर्तन निदेशालय. आयकर विभाग और सीबीआई जब चाहे किसी भी मंत्री, मुख्यमंत्री को गिरफ्तार कर सकते हैं। गिरफ्तारी के बाद ये एजेंसियां ऐसे आरोप लगा सकती हैं. जिनके तहत उन्हें महीनों तक जमानत नहीं मिल सकती। तब इस विधेयक के जरिए किसी भी विपक्षी सरकार को गिराया जा सकता है। यही वजह है कि जब गृह मंत्री अमित शाह ने विधेयक पेश किया तो संसद में विपक्ष ने ज़ोरदार विरोध किया। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने 2010 में सोहराबुद्दीन शेख मुठभेड़ मामले में गृह मंत्री की गिरफ़्तारी का मुद्दा उठाया। हालाँकि, शाह ने जवाब दिया कि गिरफ़्तारी से पहले ही उन्होंने गुजरात के गृह मंत्री पद से इस्तीफ़ा दे दिया था। अब जानते हैं कि संसद की संयुक्त समिति क्या है?

संयुक्त संसदीय समिति यानी जेपीसी संसद द्वारा किसी विशेष उद्देश्य के लिए, जैसे किसी विषय या विधेयक की विस्तृत जाँच के लिए गठित की जाती है। इसमें दोनों सदनों के सदस्य होते हैं और इसका कार्यकाल समाप्त होने या इसका कार्य पूरा होने के बाद इसे भंग कर दिया जाता है। उदाहरण के लिए, संविधान के 130वां संशोधन विधेयक, 2025 को विपक्षी हंगामे और मांग के बाद लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति द्वारा चुने गए 31 सदस्यों वाली एक संयुक्त संसदीय समिति को भेजा गया है। वैसे तो समिति से रिपोर्ट हासिल करने की कोई मियाद तय नहीं है,लेकिन गृहमंत्री अमित शाह ने मांग की है कि समिति संसद के अगले यानी शीत सत्र के पहले दिन से पहले ही अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दे।

संसदीय नियमों के अनुसार, जेपीसी का कार्यक्षेत्र उसके गठन के प्रस्ताव पर निर्भर करता है। हालाँकि इसकी सिफ़ारिशें प्रभावशाली होती हैं, लेकिन वे सरकार पर बाध्यकारी नहीं होतीं। इस बीच बीजेपी ने 25 अगस्त, 2025 को विपक्षी हंगामे के खिलाफ कड़ा बयान दिया। पार्टी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लाया गया 130 वां संविधान संशोधन विधेयक राजनीति में नैतिकता और सुशासन को मजबूत करेगा और भ्रष्टाचार और अपराधीकरण को खत्म करने के लिए एक प्रभावी हथियार के रूप में काम करेगा। बीजेपी ने विपक्षी दलों पर आरोप लगाते हुए कहा कि जहां एक ओर समूचा राष्ट्र इस पहल का स्वागत कर रहा है, वहीं कांग्रेस और आम आदमी पार्टी जैसे दल केवल भ्रष्टाचार को बचाने के लिए इसका विरोध कर रहे हैं। बीजेपी विपक्ष को बहिष्कार ब्रिगेड बताते हुए यह भी कहने से नहीं हिचकी कि विपक्ष यानी कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की लोकतंत्र में नहीं, अपने परिवार और सत्ता की रक्षा में ही दिलचस्पी है। बीजेपी का मानना है कि कि यह विधेयक सुशासन की सबसे बड़ी बाधाओं – भ्रष्टाचार और अपराध – को दूर करने के लिए संसद में पेश किया गया है। यहां ध्यान दिया जाना चाहिए कि संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत कानून के सामने सबको बराबर का दर्जा हासिल है। फिर भी हकीकत यह है कि अगर कोई सरकारी कर्मचारी दो दिन भी जेल में रहा, तो उसे सेवा नियमों के तहत स्वतः ही निलंबित कर दिया जाता है। जबकि महत्वपूर्ण राजनीतिक पदों पर बैठे लोगों पर यह प्रावधान नहीं लागू होते। बीजेपी का तर्क है कि प्रस्तावित कानून के दायरे में मंत्री,मुख्यमंत्री ही नहीं, प्रधानमंत्री भी आएंगे।

बीजेपी का कहना है कि सामाजिक न्याय और समानता का पाठ पढ़ाने वाले दलों के लोग चाहते हैं कि उच्च पदों पर बैठे मंत्री या मुख्यमंत्री सलाखों के पीछे से सरकार चलाएँ। बीजेपी का तंज है कि यह समानता और सामाजिक न्याय का उपहास है।वैसे ध्यान रखना होगा कि लिली थॉमस मामले के बाद नियम बनाया गया कि अगर किसी सांसद को दो साल से ज़्यादा की सज़ा होती है, तो उसकी सदस्यता स्वतः समाप्त हो जाएगी। बीजेपी का तर्क है कि उसकी सरकार एक तरह से इसी नियम को सार्वजनिक जीवन में शुचिता के लिए और आगे बढ़ा रही है। जिसका विपक्ष विरोध कर रहा है।

भारतीय समाज में भ्रष्टाचार गहरे तक जड़ें जमा चुका है। राजनीति का आज दूसरा अर्थ ही भ्रष्टाचार हो गया है। पड़ोसी चीन जैसे देश में भ्रष्टाचार की सजा मौत तक है। अमेरिका, ब्रिटेन आदि जिन देशों के लोकतंत्र और संसदीय परंपरा की हम खूब दुहाई देते हैं। लेकिन हकीकत यह है कि उन देशों में भी भ्रष्टाचार को लेकर नो टालरेंस की नीति है। संविधान का 130 वां संशोधन उसी दिशा में प्रयास कहा जा सकता है। देखना होगा कि संयुक्त संसदीय समिति अपनी जांच के बाद क्या रिपोर्ट देती है और यह विधेयक फिर से संसद में कब प्रस्तुत हो पाता है?

-उमेश चतुर्वेदी
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि कृपा के धाम श्री रामचन्द्रजी बहुत अच्छा स्वामिन कहकर वहीं मुनियों के समूह के साथ ठहर गए। मिथिलापति जनकजी ने जब यह समाचार पाया कि महामुनि विश्वामित्र आए हैं, ॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दो0-संग सचिव सुचि भूरि भट भूसुर बर गुर ग्याति।
चले मिलन मुनिनायकहि मुदित राउ एहि भाँति॥

तब उन्होंने पवित्र हृदय के (ईमानदार, स्वामिभक्त) मंत्री बहुत से योद्धा, श्रेष्ठ ब्राह्मण, गुरु (शतानंदजी) और अपनी जाति के श्रेष्ठ लोगों को साथ लिया और इस प्रकार प्रसन्नता के साथ राजा मुनियों के स्वामी विश्वामित्रजी से मिलने चले॥

कीन्ह प्रनामु चरन धरि माथा। दीन्हि असीस मुदित मुनिनाथा॥
बिप्रबृंद सब सादर बंदे। जानि भाग्य बड़ राउ अनंदे॥

राजा ने मुनि के चरणों पर मस्तक रखकर प्रणाम किया। मुनियों के स्वामी विश्वामित्रजी ने प्रसन्न होकर आशीर्वाद दिया। फिर सारी ब्राह्मणमंडली को आदर सहित प्रणाम किया और अपना बड़ा भाग्य जानकर राजा आनंदित हुए॥

कुसल प्रस्न कहि बारहिं बारा। बिस्वामित्र नृपहि बैठारा॥
तेहि अवसर आए दोउ भाई। गए रहे देखन फुलवाई॥

बार-बार कुशल प्रश्न करके विश्वामित्रजी ने राजा को बैठाया। उसी समय दोनों भाई आ पहुँचे, जो फुलवाड़ी देखने गए थे॥

(क्रमशः..)

अतिवृष्टि से खुल गई देश के विकास की तस्वीर की पोल

देश के विकास की असली तस्वीर इस बार मानसून में दिल्ली में देखने को मिली है। देश की राजधानी बारिश और यमुना के जलस्तर बढने से हाल-बेहाल हो गई। राजधानी की जिंदगी पर ब्रेक लग गया। इससे सहज अंदाजा लगाया जा सकता है कि बारिश से देश के अन्य राज्य कितने हाल-बेहाल होंगे। यह समस्या नई नहीं है। देश में हर साल मानसून के दौरान लगभग सभी राज्यों में यही हाल होता है। विकास का वादा और दावा करने वाली सरकारें और राजनीतिक दल सिर्फ हवाई किले बना कर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लेते हैं। इसमें कोई भी दल पीछे नहीं हैं। ऐसे मौकों पर नेता गिरगिट की तरह रंग बदलने लगते हैं और जिम्मेदारी को पूववर्ती सरकारों के पाले में डाल कर बरी हो जाते हैं। बाढ़ और उसके जैसे हालात से साबित हो गया है कि नेताओं को देश के आम लोगों की जिन्दगी और मौत की फिक्र नहीं है। यह हालत हुई है देश में वोट बैंक की राजनीतिक के कारण। इसके कारण अतिक्रमण और प्रकृति से छेड़छाड़ की कीमत हर साल चुकानी पड़ रही है। यह समस्या विकराल होती जा रही है।

दिल्ली में यमुना नदी की बाढ़ एक पुरानी समस्या है, जो हर मॉनसून में तबाही मचा देती है। सितंबर के पहले हफ्ते में भारी बारिश और हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से पानी छोडने से यमुना का जलस्तर खतरे के पार चला गया। पुरानी दिल्ली रेलवे ब्रिज पर 205 मीटर (खतरे का स्तर) पार कर 207.48 मीटर तक पहुंच गया। इससे 10,000 से ज्यादा लोग बेघर हो गए। मयूर विहार, यमुना बाजार, मजनू का टीला जैसे इलाके डूब गए, ट्रैफिक जाम लग गया। पुराने रिकॉर्ड्स के अनुसार, 1956 से पहले यमुना हर साल ट्रांस-यमुना इलाकों को डुबो देती थी। 1978 में सबसे भयानक बाढ़ आई, जब जलस्तर 207.49 मीटर पहुंचा और अलीपुर ब्लॉक, मॉडल टाउन जैसे इलाके डूब गए। इसमें 18 मौतें, 10 करोड़ का नुकसान। उसके बाद 1988, 1995, 1998 में हाई फ्लड्स आए, लेकिन इम्बैंकमेंट (बांध) बनने के बाद भी समस्या बनी रही। 1956 से पहले ऐसा कम होता था, लेकिन अब इम्बैंकमेंट ने जगह कम कर दी। वर्ष 2023 में फ्लडप्लेन अतिक्रमण मुख्य वजह था। नदी का पानी सोखने की क्षमता खत्म हो गई। मलबा डालने से बेड ऊंचा हो गया। यमुना में गाद जमा हो गई और नदी उथली हो गई। दिल्ली सरकार और दिल्ली विकास प्राधिकरण अतिक्रमण रोकने में नाकाम रहे। लोगों और बिल्डर्स ने फ्लडप्लेन पर अवैध कॉलोनियां बना ली। साल 2023 के बाद भी फ्लडप्लेन पर निर्माण (रिवरफ्रंट प्रोजेक्ट) ड्रेन क्लीनिंग और डिसिल्टिंग का इंतजाम नहीं किया गया। केंद्र सरकार (जल शक्ति मंत्रालय) बैराज ऑपरेशन में समन्वय की कमी बाढ़ की हालात का बड़ा कारण रहा।

देश में बाढ़ के हालात को लेकर सरकारें नींद में गाफिल हैं। सुप्रीम कोर्ट सरकारों को जगाने का प्रयास कर रहा है। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड समेत उत्तर भारत के कई राज्य बीते कुछ दिनों से बाढ़ की चपेट में हैं। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर भारत के बाढ़ प्रभावित राज्यों में अवैध पेड़ कटाई के प्रथम दृष्टया प्रमाण पर चिंता जताई है। कोर्ट ने पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर की सरकारों को तीन सप्ताह में जवाब देने का निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान कहा सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह ऊपरी पहाड़ी इलाकों में बड़े पैमाने पर पेड़ों की अवैध कटाई का संकेत है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और के विनोद चंद्रन की पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि वे संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर इसके कारणों का पता लगाएं। गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों से उत्तर भारत के कई राज्यों में आसमान से आफत बरस रही है। फ्लैश फ्लड यानी बादल फटने की घटनाओं, भारी बारिश और लैंडस्लाइड जैसी आपदाओं में सैकड़ों जानें गई हैं। ये आफत थमने का नाम नहीं ले रही हैं। भारतीय मौसम विभाग ने चार राज्यों में फ्लैश फ्लड की चेतावनी जारी की है। इन राज्यों में उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश शामिल हैं। अगस्त 2025 में उत्तर-पश्चिम भारत में 265 मिमी बारिश हुई, जो 2001 के बाद सबसे ज्यादा है। आईएमडी ने सितंबर में 109 प्रतिशत ज्यादा बारिश की चेतावनी दी है। अगस्त 2025 में उत्तर-पश्चिम भारत में वर्ष 2001 के बाद सबसे ज्यादा 265 मिमी बारिश हुई, जो रिकॉर्ड तोडने वाली है।

भारतीय मौसम विभाग ने सितंबर 2025 के लिए सामान्य से 109 प्रतिशत ज्यादा बारिश की चेतावनी दी है, जिससे और तबाही का खतरा बढ़ गया है। अतिवृष्टि से हिमाचल प्रदेश में 320 मौतें, 788 सड़कें बंद, 2174 ट्रांसफॉर्मर डैमेज हुए। कुल 23 फ्लैश फ्लड, 19 क्लाउडबर्स्ट, 16 भूस्खलन हुए। उत्तराखंड में धराली, उत्तरकाशी में फ्लैश फ्लड हुआ। जम्मू-कश्मीर में वैष्णो देवी रूट पर भूस्खलन से 30 से अधिक मौतें और 20 लोग घायल हुए। जम्मू में तवी नदी का ब्रिज गिर गया। पंजाब में ब्यास, सतलुज, रावी उफान पर हैं। इससे 3 लाख एकड़ फसल बर्बाद हो चुकी है। पंजाब के 7 जिले बाढग्रस्त हैं।

अतिवृष्टि के मौजूदा हालात के लिए मौसम की मार नहीं बल्कि विकास की गलतियां जिम्मेदार हैं। मौसम पूर्वानुमान बेहतर हो रहा है, लेकिन चेतावनियों पर प्रतिक्रिया न देना बड़ी समस्या है। वेल डिफाइंड सिस्टम (जैसे चक्रवात) पर 2-4 दिन पहले अलर्ट संभव, लेकिन मेजोस्केल सिस्टम (10-100 किमी) में बादल 15 किमी ऊपर बनकर 1 घंटे में भारी बारिश कर देता है। रडार-सैटेलाइट से पता चलने पर सिर्फ 10-15 मिनट मिलते हैं। वक्त रहते चेतावनी के लिए ऑल वेदर कम्युनिकेशन सिस्टम, हैम रेडियो से कम्युनिटी रेडियो, स्थानीय ट्रेनिंग और ज्यादा रडार लगाने पड़ेंगे। बाढ़ जैसी प्राकृतिक कम और मानवजनित ज्यादा जैसी आपदा का प्रमुख कारण देश के विकास मॉडल का प्रकृति से खिलवाड़ करके बनाया जाना है। राजनीतिक दलों को इसकी परवाह नहीं है। दीर्घकालीन नीतियों के बाद अल्पकालीन नीतियों से विनाश हो रहा है। नीतियां बनाते वक्त दूरदर्शिता का इस्तेमाल नहीं किया गया। देश का एक भी राज्य ऐसा नहीं है जहां नदी-नालों के प्राकृतिक स्त्रोतों का अतिक्रमण नहीं किया गया हो। गंगा सहित देश की हर नदी आधुनिक विकास की नाकामियों से उपजे प्रदूषण की मार झेल रही हैं। सरकारी आकंडों में देश में वनों का विकास दर्शाया जाता है। इसके विपरीत जंगलों की कटाई का खेल जारी है। बर्बादी का यह आलम राजनीतिक दलों की स्वार्थ नीति से उत्पन्न हुआ है।

- योगेन्द्र योगी

राशिफल

भाद्रपद माह, शुक्ल पक्ष तृतीया | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
औषधि इत्यादि में खर्च की अधिकता रहेगी। अनाब-सनाब खर्चें होंगें। सर दर्द, नेत्र पीड़ा, अज्ञात भय।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
पैतृक संपत्ति को लेकर के विवाद हो सकता है। कोर्ट-कचहरी में नुकसान संभव है। व्यावसायिक स्थिति मध्यम रहेगी।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
यात्रा का अभी प्रोग्राम न बनाएं। कष्ट हो सकता है। अपमानित होने का भय रहेगा। प्रेम, संतान का साथ होगा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। कोई रिस्क न लें। वाहन धीरे चलाएं। तबीयत पर ध्यान रखें।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। स्वयं के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। कोई बड़ी नोक-झोक से बचें।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
डिस्टर्बिंग फेस है। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। प्रेम, संतान लगभग ठीक रहेगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
तुला राशि की स्थिति ठीक-ठाक कही जाएगी। लेकिन शत्रु नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
संतान को लेकर के, जो लोग प्रेम में हैं वो लोग अपने प्रेम को लेकर के, विद्यार्थीगण अपनी पढ़ाई को लेकर के अच्छा फील नहीं करेंगे।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
गृह कलह के संकेत हैं। भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी में खलल पड़ सकता है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
व्यापारिक स्थिति में नकारात्मक स्थिति देखकर के मन खराब रहेगा। नाक, कान, गला की परेशानी हो सकती है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
धन हानि के संकेत हैं। जुबान पर काबू रखें और अभी रुपये-पैसे किसी को न दें। या कहीं निवेश न करें।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू-तू, मैं-मैं से बचें। निकटता होने के बाद भी दूरी का अहसास होगा।

बाढ़ पीड़ितों की किया मदद

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन महात्मा टिकैत संगठन के जिला अध्यक्ष हापुड़ अमित त्यागी नंगला व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के युवा महासचिव आमिर चौधरी गढ़मुक्तेश्वर हापुड़ की समस्त टीम के सहयोग से गुरुद्वारा कमेटी ने पंजाब बाढ़ प्रभावित पीड़ितों को मद्द किया।

नवर्निवाचित उपराष्ट्रपति को दी बधाई

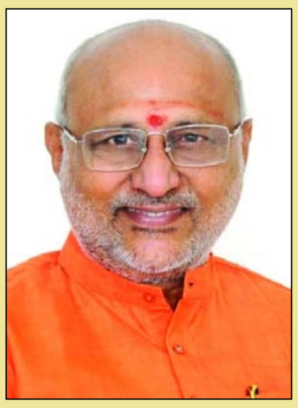

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सी.पी. राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति निर्वाचित होने पर भारतीय जनता पार्टी के प्रथम जिला अध्यक्ष रहे एवं भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री प्रणीत भाटी ने बधाई दी है उन्होंने कहा कि एनडीए के प्रत्याशी सी.पी. राधा कृष्णन ने ऐतिहासिक जीत दर्ज कर एनडीए का मान बढ़ाया है उन्होंने कहा कि उपराष्ट्रपति के चुनाव में भी विपक्ष की हवा निकल गई। उन्होंने कहा कि शिल्पी राधाकृष्णन अब देश के उपराष्ट्रपति पद का पदभार संभालेंगे।

बीटा (वन) व शहर में आवारा पशुओं का आतंक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।

ग्रेटर नोएडा मे आए दिन आवारा पशु बच्चे,बुजुर्गो और नौजवानों पर हमलावर हो रहे हैं। ग्रेटर नोएडा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी चैन की नींद सो रहे हैं।

गतदिवस परसों सेक्टर बीटा वन में आवारा सांड ने एक बच्चे व नौजवान पर हमला कर दिया उसकी हालत बहुत गंभीर है अभी तक ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने उस परिवार से संपर्क करने की कोशिश भी नही की,बेशर्मी से अपने ए सी ऑफिसों में बैठे हुए ठंडी हवा खा रहे हैं। ऐसे लापरवाह अधिकारियों की शिकायत शासन व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से की जाएगी।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के GM RK भारती को ज़िम्मेदारी दी गई है, कि जितने भी आवारा पशु सड़कों पर घूम रहे हैं। उन सबको गौशाला भेजा जाए, किन्तु आवारा पशुओं को गऊशाला नहीं पहुंचाया जा रहा है।

सीटू के कार्यकर्ताओं की हुई बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा, मैसर्स-वाइब्राकॉस्टिक नोएडा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड बी- 190, फेस -2, नोएडा में कार्यरत कर्मचारियों की यूनियन वाइब्राकास्टिक इम्पलाईज यूनियन संबद्ध सीटू के कार्यकर्ताओं की बैठक सीटू कार्यालय पर यूनियन के अध्यक्ष विकास कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

बैठक में सीटू जिला कमेटी गौतम बुध नगर के 21 सितंबर 2025 को होने वाले जिला सम्मेलन और 10 व 11 अक्टूबर को सीटू दिल्ली एनसीआर राज्य सम्मेलन की तैयारी पर विचार विमर्श कर सम्मेलन को सफल बनाने का निर्णय लिया गया।

बैठक को सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा, महासचिव रामस्वारथ, यूनियन के पदाधिकारी सुनील पंडित, हुकम सिंह आदि ने संबोधित किया।

जितेन्द्र सिंह बने जिलाध्यक्ष

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक मंच) के राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा इटावा संगठन के जिलाध्यक्ष के लिए जितेन्द्र सिंह (राजू) को मनोनीत किया है। जितेन्द्र सिंह (राजू) बहुत कर्मठ,लगन सील, किसानों के हित में संघर्ष सील, पदाधिकारी जाने जाते हैं।

इस मौके पर, संगठन के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, चौधरी जीवन सिंह, राष्ट्रीय प्रवक्ता, पं० दिनेश चंद्र शर्मा, राष्ट्रीय सचिव विजेन्द्र सिंह चौहान, एनसीआर, सचिव रामबीर सिंह अवाना, अजय खटाना, जिला कार्यकारिणी सदस्य, एवं विजय खटाना जिला महासचिव गौतमबुद्ध नगर, गोपी कश्यप जिला उपाध्यक्ष, एवं चौधरी सुरेंद्र सिंह यादव राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक मंच) द्वारा मनोनयन पत्र, दिया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता पं0 छोटेलाल दीक्षित ने की एवं संचालन रामनरेश यादव ने किया इस अवसर पर सैकड़ों पदाधिकारी मौजूद रहे।

युवा कांग्रेस के महासचिव का जन्मदिन मनाया

नोएडा (चेतना मंच)। युवा कांग्रेस गौतमबुद्धनगर जिला महासचिव एडवोकेट वाहिद सैफी का जन्मदिन नोएडा सैक्टर-62 में बड़े हर्ष उल्लास से मनाया गया।

जिसमें मुख्य रूप से जिला कांग्रेस कमेटी गौतमबुद्धनगर पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश शर्मा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता मुजफ्फरनगर कोर्डिनेटर एडवोकेट दिनेश अवाना, महानगर कांग्रेस कमेटी नोएडा पूर्व अध्यक्ष शाहबुद्दीन, युवा कांग्रेस गौतमबुद्धनगर जिलाध्यक्ष जावेद खान, पीसीसी सदस्य मोहम्मद चांद, दादरी विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र शर्मा, परवेज़, कुलदीप भाटी अध्यक्ष बार एसोसिएशन पंजाब नेशनल बैंक सर्किल हेड महेश वाधवा, डिप्टी सर्किल हेड दीपक गुप्ता, लॉ ऑफिसर मनोज मीणा, शाखा प्रबंधक धीरेंद्र कुमार, डोरीलाल, ओमप्रकाश यादव, विवेक, खुर्शीद आलम साहब, अर्हम हुसैन, स्वपनजीत कौर, होमनिधि शर्मा, सोनू शर्मा,विननू पंडित, अशोक, आनन्द, विभोर आदि लोग उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद बस्ती में सरस्वती शिशु मंदिर का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि सरस्वती विद्या मंदिर से निकले छात्र आज जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में समाज को नेतृत्व भी दे रहे हैं और समाज का मार्गदर्शन भी कर रहे हैं।

ग्रेटर नोएडा में एक और एसटीपी के निर्माण को हरी झंडी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने सीवर को शत-प्रतिशत शोधित करने का लक्ष्य हासिल करने की तरफ एक कदम और बढ़ा दिया है। सीईओ एनजी रवि कुमार ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट के बाद अब आईटी सिटी में भी 12 एमएलडी क्षमता के अत्याधुनिक तकनीक वाले एसटीपी के निर्माण को हरी झंडी दे दी है। इसे बनाने के लिए सीवर विभाग ने टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। लगभग 42 करोड रुपए की लागत वाले इस एसटीपी का निर्माण 12 माह में पूरा करने का लक्ष्य है। एनजीटी से निर्धारित पैरामीटर का पालन करते हुए यह एसटीपी ट्रसरी ट्रीटमेंट तकनीक पर आधारित होगा।

ग्रेटर नोएडा में चार एसटीपी बने हुए हैं। इनमें बादलपुर स्थित एसटीपी की क्षमता 2 एमएलडी, कासना स्थित एसटीपी की क्षमता 137 एमएलडी, ईकोटेक-2 स्थित एसटीपी की क्षमता 15 एमएलडी और ईकोटेक-3 स्थित एसटीपी की क्षमता 20 एमएलडी है। एक अन्य एसटीपी ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर-1 में निर्माणाधीन है। इसकी क्षमता 45 एमएलडी की है। दरअसल, एनजीटी ने एसटीपी से शोधित पानी को और स्वच्छ बनाने के निर्देश दिए हैं। मौजूदा समय में एसटीपी से शोधित पानी में फिकल की मात्रा 230 मिलीग्राम प्रति लीटर केसर आसपास होती है। एनजीटी ने इसे और कम करते हुए 100 से भी पर लाने को कहा है। इसमें टीडीएस व बीओडी-सीओडी की मात्रा भी इतनी कम हो जाएगी। इससे जल प्रदूषण पर भी लगाम लग सकेगी। एनजीटी के निर्देशों को ध्यान में रखते हुए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने सीवरेज का शत-प्रतिशत शोधन करने की पर काम करने के निर्देश दिए हैं। इसे ध्यान में रखते हुए सीईओ ने आईटी सिटी में 12 एमएलडी क्षमता के एसटीपी के निर्माण को मंजूरी दे दी है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीवर विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक विनोद शर्मा ने बताया कि आईटी सिटी में 12 एमएलडी क्षमता के अत्याधुनिक तकनीक वाले एसटीपी के निर्माण का कार्य जल्दी शुरू करने की तैयारी है। टेंडर की प्रक्रिया चल रही है। करीब 42 करोड रुपए की लागत वाले इस एसटीपी की क्षमता 12 एमएलडी होगी। एसटीपी का निर्माण 12 माह में पूरा करने का लक्ष्य है। एनजीटी से निर्धारित पैरामीटर का पालन करते हुए यह एसटीपी ट्रसरी ट्रीटमेंट तकनीक पर आधारित होगा।

एनजीटी के निर्देशों का पालन करते हुए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण जरूरत के अनुसार एसटीपी का निर्माण कराने के लिए प्रयासरत है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में एसटीपी का निर्माण शुरू हो चुका है और आईटी सिटी में टेंडर की प्रक्रिया चल रही है। इसे शीघ्र पूरा कर निर्माण शुरू करने की तैयारी है। इसके साथ ही सभी एसटीपी को तकनीकी रूप से अपग्रेड करने पर भी काम चल रहा है।प्राधिकरण की कोशिश है कि ट्रीटेड वाटर को और स्वच्छ बनाया जा सके। शोधित पानी का इस्तेमाल औद्योगिक उत्पादनों के लिए भी किया जा सकेगा। इससे भूजल स्तर को रोकने में भी मदद मिलेगी।

कंपनी की कार लेकर चंपत

नोएडा (चेतना मंच)। थाना 142 में एक ट्रेवल्स कंपनी के मैनेजर ने अपने ड्राइवर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। मैनेजर का आरोप है कि ड्राइवर चलाने के लिए दी गई कार को लेकर चंपत हो गया है। अक्षय कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह सेक्टर 144 स्थित एसटीसी ट्रेवल्स कंपनी में मैनेजर के पद पर कार्यरत है। उसने ड्राइवर चमन निवासी बदायूं को अर्टिगा कार चलाने के लिए रखा था। इस कार को एक कंपनी से अटैच किया गया था। चमन को प्रत्येक माह सैलरी के रूप में 21 हजार रुपए का भुगतान किया जा रहा था। मई माह में चमन उनकी अर्टिगा कार को लेकर चला गया और वापस नहीं लौटा। उन्होंने कई बार फोन कर उसे कार वापस करने को कहा लेकिन उसने कार लौटाने से साफ इनकार कर दिया। पुलिस का कहना है कि मैनेजर की शिकायत पर ड्राइवर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और उसकी तलाश की जा रही है।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com raghuvanshirampal365@gmail.com raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in

www.chetnamanch.com

मेट्रो स्टेशन पर जेब से निकाला मोबाइल

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर 58 क्षेत्र के सेक्टर 59 स्थित मेट्रो स्टेशन पर चोरों ने एक व्यक्ति की जेब से मोबाइल फोन चोरी कर लिया। पीड़ति की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

सेक्टर 73 निवासी चंदन भार्गव ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 3 सितंबर को सेक्टर 59 स्थित मेट्रो स्टेशन पर गया था। इस दौरान भीड़ का फायदा उठाते हुए किसी पॉकेटमार ने उसकी जेब से मोबाइल फोन निकाल लिया। जेब से मोबाइल फोन गायब होने की जानकारी मिलने पर उसने अपने फोन की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। थाना सेक्टर 58 प्रभारी का कहना है कि पीड़ति की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरो की पड़ताल की जा रही है। बता दें कि मेट्रो स्टेशनों पर आए दिन लोगों के मोबाइल व पर्स चोरी होने की घटनाएं हो रही है

हथियार के साथ बदमाश दबोचा

नोएडा (चेतना मंच)। थाना एक्सप्रेस के पुलिस ने एक बदमाश को तमंचा, कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया बदमाश आपराधिक वारदात को अंजाम देने की इरादे से घूम रहा था। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम बाजितपुर टी पॉइंट पर चेकिंग कर रही थी। इस दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि सेक्टर 135 के पास सर्विस रोड पर एक बदमाश अवैध हथियार लिए हुए खड़ा है और किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और उक्त व्यक्ति को दबोच लिया। तलाशी में उसके पास से एक तमंचा, कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में पकड़े गए बदमाश ने अपना नाम अहमद राजा पुत्र अनवर निवासी पश्चिम बंगाल बताया। पकड़ा गया आरोपी हाल में सेक्टर 110 की झुग्गी झोपड़ी में रह रहा है। आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया है।

चार मूर्ति चौक पर अंडरपास को वाहनों के लिए आंशिक रूप से जल्द खोलने की तैयारी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के चार मूर्ति चौक पर ट्रैफिक की समस्या से वाहन चालकों को जल्द आंशिक तौर पर राहत मिल सकती है। चैराहे पर निर्माणाधीन अंडरपास की छत (स्लेप) का कार्य शीघ्र पूरा होने वाला है। इसके बाद इसे वाहनों के लिए खोल दिया जाएगा। वाहन इसके ऊपर से गुजर सकेंगे। हालांकि चैराहे से दोनों तरफ अंडरपास का कार्य पूर्ण होने में अभी छह माह लगेंगे। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने मंगलवार को अंडरपास के निर्माण कार्य का जायजा लिया और अंडरपास का निर्माण तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही अंडरपास की छत (स्लेप) का कार्य पूरा कर वाहनों के लिए शीघ्र खोल देने के निर्देश दिए, ताकि वाहन चालकों को आंशिक रूप से राहत मिल सके। सीईओ अंडरपास के चारों ओर पैदल घूमे। वर्क सर्किल एक के वरिष्ठ प्रबंधक प्रभात शंकर ने अंडरपास के कार्य प्रगति से एसीईओ को अवगत कराया। सीईओ ने सभी सर्विस रोड का दुरुस्त करने और चौड़ाई बढ़ाने के निर्देश दिए। फुटओवर ब्रिज को भी देखा। फुटओवर ब्रिज में लगे लिफ्ट का नियमित रखरखाव करने के निर्देश दिए। सीईओ एनजी रवि कुमार ने 60 मीटर रोड की सर्विस रोड को चैड़ा करने करने के निर्देश दिए। इसके बाद वे 80 मीटर रोड देखने पहुंचे। ऐस सिटी के पास से

60 मीटर और 130 मीटर रोड को जोड़ते हुए बनी इस रोड को शीघ्र कंपलीट करने के निर्देश दिए। लगभग 100 मीटर दूरी में जमीन विवाद के चलते रोड कंपलीट नहीं हो पा रही।

सीईओ ने 130 मीटर रोड का भी जायजा लिया और बस-वे का कार्य इसी वित्तीय वर्ष में पूरा करने के निर्देश दिए। गौरतलब है कि विगत रविवार को एसीईओ सुमित यादव भी ग्रेटर नोएडा वेस्ट में सड़कों का जायजा लेने पहुंचे और अलग-अलग जगहों पर जाकर ट्रैफिक और सड़कों का हाल देखा। एसीईओ सबसे पहले चार मूर्ति चौक पर निर्माणाधीन अंडरपास को देखा। निर्माण कार्य की गुणवत्ता को भी परखा।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण, उत्तर रेलवे, रोहतक रोड़, शकूरबस्ती, दिल्ली-56, भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिये निर्धारित प्रोफार्मा पर एक पैकेट प्रणाली में ई खुली निविदाएँ आमंत्रित की जाती है।

कार्य का नाम	नांगलोई में दूर संचार एवं संकेत के स्टोर की बाउंड्री दीवार फर्श, रोड का कार्य व अन्य विविध कार्य करना।
अनुमानित लागत	₹2.70 crore
धरोहर राशि	Rs. 284900.00
कार्य पूरा करने की अवधी	स्वीकृति पत्र जारी होने के 12 माह के अन्दर।
रेलवे की वैब साईट पर निविदा की बिक्री एवं उपलब्धता	निविदा दस्तावेज दिनांक **22.09.2025 से 06.10.2025** तक समय 11.30 तक उपलब्ध रहेंगे।
निविदा अपलोड करने की दिनांक/समय	निविदा कर्ता दिनांक **22.09.2025 से 06.10.2025** समय 11.30 वैब साईट से अपलोड कर सकते हैं।
निविदा के खुलने की तिथि एवं समय	निविदा अपलोड करने के तुरन्त पश्चात दिनांक **06.10.2025** को 11:30 तक

संख्या : 413-एकाउन्टस/निर्माण/शकूरबस्ती दिनांक : 08.09.2025 2734/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

गर्मियों में दानों से बचने के लिए खास टिप्स

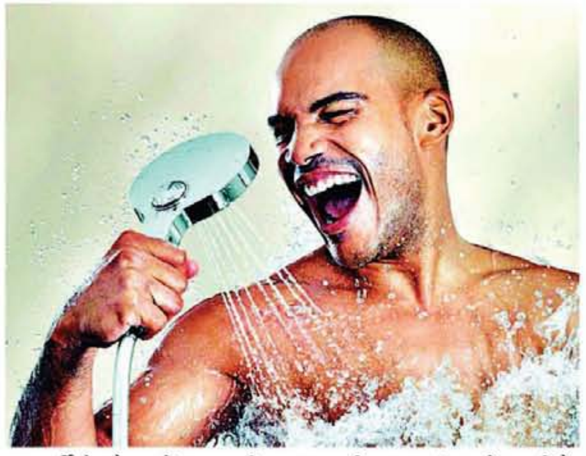

गर्मी के मौसम में अक्सर स्किन सम्बन्धी समस्याएं पनपने लगती हैं। यही नहीं इस मौसम के खत्म होने के बाद आने वाली बारिश कई बार इन समस्याओं में और भी बढ़ोत्तरी कर डालती है। ऐसे में जरूरी है कि इसे लेकर सजग रहा जाए।

बढ़ जाए जब तकलीफ: कई बार ध्यान न देने पर छोटी-सी फुंसी या फोड़े की तकलीफ भी गंभीर रूप ले लेती है। कुछ लोगों को गर्मी के मौसम में सर, आंखों या चेहरे पर पीली-लाल बड़ी फुंसियां होने की समस्या होती है। ये फुंसियां पककर फूटती हैं तो संक्रमण के फैलने की आशंका भी हो सकती है। इसके अलावा तैलीय या ऑइली स्किन वालों को भी पिम्पल्स ज्यादा उभरते हैं। ये फुंसियां दर्द, जलन, खुजली आदि जैसी तकलीफ दे सकती हैं। यदि ऐसे में पर्याप्त साफ-सफाई का ध्यान न रखा जाए तो यह घाव बढ़कर गंभीर हो सकता है।

जरूरी है रोज नहाना: गर्मी हो या अन्य मौसम, साफ पानी से नियमित नहाना सबसे पहली जरूरत है। इससे शरीर पर लगी धूल-मिटटी और पसीने की गंदगी साफ होती है। यही नहीं पानी शरीर के तापमान को नियंत्रित करने में भी मदद करता है। साथ ही पर्याप्त मात्रा में पानी पीने की भी आदत डालें। इससे शरीर को अंदर से साफ रखने में मदद मिलेगी।

भोजन में खाएं ताजे फल: कोशिश करें की भोजन में ताजे फल और सलाद ज्यादा खाएं। साथ ही तले-गले और गरिष्ठ भोजन से बचें। व्यायाम जरूर अपनाएं और सुबह ताजी हवा के सम्पर्क में आएं। जिम या अन्य एक्सरसाइज के दौरान आने वाले पसीने को साफ कपड़े से थपथपाकर पोंछें। इसके बाद अच्छे से नहाएं। कॉटन के या पसीने को सोखने वाले मटेरियल के कपड़े पहनें। अगर हो सके तो दिन में दो बार नहाएं। नहाने के पानी में एंटीसेप्टिक या अन्य संक्रमणों से बचाने वाले तेल आदि डालने से पसीने में दुर्गन्ध और संक्रमण से बचा जा सकता है, ऐसे उपाय अपनाएं।

आम से हो सकता संक्रमण: यदि आपको किसी प्रकार के संक्रमण की टेंडेंसी है या फैमिली हिस्ट्री है तो डॉक्टर से सलाह जरूर लें। यदि 3-4 दिन में फोड़े-फुंसी ठीक न हों तो भी डॉक्टर से सलाह जरूर लें। आम से होने वाले संक्रमण के मामले में भी आमों को खाने से पहले अच्छी तरह धोने की और सावधानी से उसका ऊपरी सिरा हटाने की आदत डालें। हाथों को भी साफ रखने और अच्छे से धोने का ध्यान रखें। साथ ही अंडरगार्मेंट्स और अन्य कपड़ों को भी साफ रखें। ये भी संक्रमण का कारण बन सकते हैं।

पसीना, प्रदूषण और बहुत कुछ: गर्मी के मौसम में पसीना फोड़े-फुंसी या रैशेज के होने का बड़ा कारण बन सकता है। लगातार आने वाले पसीने से एक जगह पर हुई तकलीफ शरीर में दूसरी जगहों पर भी पहुंच सकती है। इसके अलावा सीधे सूरज की किरणों या तेज गर्मी के सम्पर्क में आने, धूल-धुएं से, किसी खराब कॉस्मेटिक से, सिंथेटिक या मौसम के लिहाज से अन्य तरह के गलत मटेरियल के कपड़े पहनने से भी फोड़े-फुंसी या संक्रमण हो सकते हैं। घमौरियां तो इस मौसम में आम हैं ही। कई बार तो आम को गलत तरीके से खाने से भी लोगों को चेहरे पर घाव जैसा पनप जाता है। इन सभी के पीछे असल कारण मौसम और बढ़ा हुआ तापमान ही है।

डेस्क वर्कर्स के लिए हेल्थ टिप्स

दिन के एक बड़े हिस्से को ऑफिस डेस्क के सामने बिताने वाले लोगों के लिए फुल लेंथ एक्सरसाइज के बारे में सोचना थोड़ा मुश्किल होता है। दिनभर कीबोर्ड और ईमेल्स से जूझने के बाद लोग घर जाकर सिर्फ सोना पसंद करते हैं। लेकिन यहां दी गई तीन खास हेल्थ टिप्स की मदद से डेस्क वर्कर्स भी एक्टिव और एनर्जेटिक लाइफ जी सकते है।

पूरे दिन रहें फुल-ऑन एक्टिव

अक्सर देखा जाता है कि डेस्क वर्कर्स अपनी डेस्क पर ही लंच करना शुरु कर देते हैं और सोशल मीडिया यूज करते रहते हैं। यह एक नुकसानदायक प्रवृत्ति ह। दरअसल डेस्क वर्कर्स को कुछ वक्त अपनी डेस्क से दूर हटकर भी बिताना चाहिए। लगातार कंप्यूटर यूज करने से एक तो मानसिक थकान हो जाती है दूसरे आप शारीरिक रूप से थका हुआ फील करने लगते हैं। ऐसे में अपनी चेयर पर ही फैल कर बैठ जाते हैं जिससे आसानी से काम होता रहे। लेकिन यह काफी खतरनाक है। इससे बचने के लिए आप टाइपिंग नहीं करने की स्थिति में अपनी सीट पर ही खड़े हो सकते है। इसके अलावा अगर आप दफ्तर के किसी कोने में खड़े होकर दोस्तों के साथ गपशप कर रहे हैं तो वहां बैठने के लिए सीट ना खोजने लगें और जितनी देर हो सके खड़े रहने की कोशिश करें। इससे आप पूरे दिन एक्टिव रह पाएंगे।

टाइपिंग वालों के लिए टिप

कॉल-सेंटर, कस्टमर-केयर, डेस्क-जर्नलिज्म और प्रोफेशनल राइटिंग आदि प्रोफेशंस में लगे लोगों के वर्किंग आवर्स का 80 प्रतिशत टाइपिंग करते हुए बीतता है। एक्सेसिव टाइपिंग की वजह से कई बार उंगलियों और हाथों में जकड़न की शिकायत भी देखी जाती है। लेकिन एक रबर बैंड इस दिक्कत से निजात दिला सकती है। अगर आप ऐसे किसी प्रोफेशन में है तो आपको बस एक रबर बेस्ड हैंडबैंड खरीदना होगा। इसके बाद अपनी फिंगर्स के टिप को मिलाकर रबर बैंड के अंदर डालकर मुठ्ठी खोलने की कोशिश करना है। फिंगर टिप्स को उल्टी दिशा में बिना मोड़े हुए खोलने से आपकी फिंगर्स को भी टाइपिंग के स्ट्रेस से मुक्ति मिलेगी। यह एक्सरसाइज आप स्क्रॉल डाउन करते हुए, ईमेल पढ़ते हुए और टीवी देखते हुए भी कर सकते हैं।

खतरनाक है कंधों को झुकाना

अगर आप काम करते करते अपने कंधों को झुका लेते हैं तो इस आदत को आज से ही बदल लीजिए क्योंकि ऐसा करने से आप गर्दन, कंधे के दर्द और पीठ के दर्द से परेशान हो सकते हैं। इससे बचने के लिए आपको अपनी कंप्यूटर स्क्रीन को अपनी आंखों के ठीक सामने रखना होगा। जिससे आपको नीचे झुककर ना बैठना पड़े।

व्हाइट ब्रेड और पास्ता से बढ़ सकता है डिप्रेशन

व्हाइट ब्रेड और पास्ता से बढ़ सकता है डिप्रेशन ऐसी रिसर्च सामने आई हैं जिनसे पता चला है कि यदि व्हाइट ब्रेड और पास्ता चीजों का इस्तेमाल अधिक किया जाए तो ब्लड शूगर घटने से डिप्रेशन जैसी समस्याएं हो सकती हैं खास कर महिलाओं को।

मत खाइए व्हाइट ब्रेड और चावल

हाल में ही सामने आयी एक रिसर्च की मानें तो व्हाइट ब्रेड और चावल के खाने से बड़ी उम्र की महिलाओं को डिप्रेशन की समस्या हो सकती है। लेकिन अगर आप साबुत अनाज, चोकर और सब्जियों से भरपूर भेजन करें तो इसके असर को घटाया जा सकता है। इसी तरह रिफाइंड खाद्य से ब्लड शुगर लेबल घट जाता है। इसे इंसुलिन की मदद से कंट्रोल किया जाता है पर उससे डिप्रेशन बढ़ने के चांसेज होते हैं इसलिए इनसे बचें वही बेहतर है।

लगभग हर 100 में से तीन को होता है डिप्रेशन

एक अमेरिकन जनरल क्लीनिकल न्यूट्रीशन में छपी रिपोंटस की मानें तो ब्रिटेन में किए गए सर्वे में पाया गया कि खाने के चलते हर 100 में से तीन लोगों को डिप्रेशन का शिकार पाया गया। शोधकर्ता कहते हैं कि इसे रोकने का एक ही तरीका है पर्याप्त न्यूट्रीशन लेना। ये स्टडी बताती है मासिक धर्म का सिलसिला खत्म कर चुकीं करीब 70000 महिलाओं में रिफाइंड कार्बोहाड्रेड के साथ डिप्रेशन के लक्षण पाए गए।

घटता ब्लड शुगर बढ़ता डिप्रेशन

अध्ययन में बताया गया कि रिफाइंड काब्रोहाइड्रेड जैसे व्हाइट ब्रेड और व्हाइट राइस के प्रभाव से आपके शरीर हारमोनल परिर्वतन होते हें और ब्लड शुगर का स्तर घट जाता है। इसका नतीजा मूड स्विंग्स और थकान जैसे डिप्रेशन के विभिन्न रूपों में सामने आता है खास कर महिलाओं में इसकी संभावना सबसे ज्यादा है। आपके रिफाइंड खाद्यों और ब्लड शुगर का सीधा कनेक्शन है इसलिए बेहतर होगा कि इससे बचने का प्रयास करें। डाइट्री फाइबर से भरपूर खाना, साबुत अनाज और सब्जियों का सेवन आपको सुरक्षित रखने में सहायक होते हैं। हां ताजे फल, (फलों का रस या बाजार में मिलने वाले फ्रूट जूस नहीं) भी आपके ब्लड शुगर को कंट्रोल करते हैं। वैसे अब वैज्ञानिक ये जानने के प्रयास में लगे हें कि कम उम्र की महिलाओ और पुरुषों में भी क्या ये समस्या पाई जाती है।

पृष्ठ एक के शेष....

सेना के हाथ में ...

और X पर लगे बैन के खिलाफ शुरू हुए थे। लोग भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और आर्थिक असमानता से नाराज थे। प्रदर्शनकारी शुरू में शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रख रहे थे, लेकिन जल्द ही स्थिति हिंसक हो गई। प्रदर्शनकारियों ने संसद भवन, सुप्रीम कोर्ट और कई नेताओं के घरों में आग लगा दी। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए रबर बुलेट्स, आंसू गैस और पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया, जिसमें 22 लोग मारे गए।

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के इस्तीफा देने के बाद नेपाल की सेना ने मंगलवार (9 सितंबर) रात से सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल ली। सेना ने त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और सिंहदरबार जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर कब्जा कर लिया। बुधवार को सेना ने पूरे देश में कर्फ्यू की घोषणा की जो शाम 5 बजे से सुबह 6 बजे तक लागू रहेगा। सेना का कहना है कि कुछ असामाजिक तत्व प्रदर्शनों में घुस आए हैं, जो तोड़फोड़, आगजनी, लूटपाट और हमले कर रहे हैं। सेना ने चेतावनी दी कि ऐसी गतिविधियों को अपराध माना जाएगा और सख्ती से निपटा जाएगा।

सेना ने यह भी कहा कि आपातकालीन सेवाएं, जैसे एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड और स्वास्थ्य कर्मियों की गाड़ियां, कर्फ्यू के दौरान चल सकेंगी, लेकिन उन्हें नजदीकी सुरक्षा अधिकारियों से समन्वय करना होगा। सेना ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और केवल आधिकारिक जानकारी पर भरोसा करने की अपील की। सेना प्रमुख जनरल अशोक राज सिग्देल ने प्रदर्शनकारियों से शांति और बातचीत की अपील की है।

महिला का ध्यान...

चलाए, कार का पहिया उसके पैर पर चढ़ गया है। वह उस व्यक्ति से बात कर रही थी की दूसरी खिड़की पर भी एक व्यक्ति ने खटखटाकर कहा कि उसकी वजह से जाम लग रहा है इसलिए वह अपनी कार को आगे बढ़ा ले। इसके बाद उसने दोनों तरफ के शीशे चढ़ाकर कार को आगे बढ़ा लिया। कुछ दूर चलने पर उसकी गाड़ी में लगा नेविगेशन मैप डिस्कनेक्ट हो गया। इस पर उसने अपने फोन की तलाश की तो वह गायब मिला। पीड़िता के मुताबिक दोनों व्यक्तियों ने उसे बातों में उलझा कर गाड़ी में रखा उसका फोन चोरी कर लिया। पुलिस का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और चोरों की तलाश की जा रही है।

राहुल गांधी का...

उनका काफिला हरचंदपुर की तरफ बढ़ गया। राहुल गांधी 10:40 पर बछरावां कस्बे के मुख्य चौराहे पर पहुंचे तो सैकड़ो की संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत करते हुए बिहार में वोटर अधिकार यात्रा के दौरान दिए गए उनके नारे वोट चोर गद्दी छोड़ का नारा लगाया। एक मिनट से कम कस्बे के मुख्य चौराहे पर रुक कर राहुल गांधी ने कार्यकर्ताओं का अभिवादन स्वीकार किया। इसके बाद वह रायबरेली मुख्यालय की ओर रवाना हो गए।

ईनामी बदमाश...

खुद को घिरा देखकर बदमाश ने पुलिस पर फायर कर दिया। जवाबी फायरिंग में बदमाश के पैर में गोली लगी और वह घायल हो गया। घायल बदमाश की पहचान अवनीश पुत्र हरपाल निवासी ग्राम कनई जनपद बदायूं के रूप में हुई। इसके पास से तमंचा, कारतूस, बिना नंबर की स्प्लेंडर बाइक बरामद हुई।

एडीसीपी ने बताया कि पूछताछ में पकड़े गए आरोपी ने स्वीकार किया है कि वह फैक्ट्री में चोरी करने की घटनाओं को अंजाम देता है। उसके कई साथियों को पुलिस पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। चोरी के कई मामलों में वह वांछित चल रहा था। वांछित चलने के कारण उसे पर 15 हजार रुपए का इनाम घोषित था। एडीसीपी ने बताया कि पकड़ा गया अवनीश चोर गिरोह का मास्टरमाइंड और सरगना है। इस पर थाना ईकोटेक 3 में 5 मुकदमे पंजीकृत हैं।

कार की टक्कर से...

पोता जीयांश व पुत्रवधू दिव्या गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर इकट्ठा हुए लोगों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में दिव्या की मौत हो गई। चंदन सिंह के मुताबिक महिला अनियंत्रित तरीके से कार को दौड़ा रही थी इसी कारण यह घटना हुई। इस दुर्घटना में कार चालक महिला की लापरवाही की वजह से उनकी पुत्रवधू की मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर कार चालक महिला के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पीड़ित द्वारा उपलब्ध कराए गए कार नंबर के आधार पर महिला की पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

जमीन पर कब्जे...

कर उसकी जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया गया। उसने अपनी जमीन पर कब्जा किए जाने का विरोध किया। 2 सितंबर को रात्रि में हरीश शर्मा ने उसके पास फोन कर गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। पवन राघव के मुताबिक आरोपी ने उससे पूर्व में जमीन बेचने के नाम पर 13 लाख रुपए भी ले लिए थे। इन पैसों को भी वह वापस नहीं लौटा रहा है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

कॉलेज हॉस्टल गोलीकांड...

सिक्योरिटी गार्ड ने बताया कि कमरे से कराहने की आवाज सुनाई दे रही थी जिसके बाद उसने वॉर्डन को इसकी सूचना दी। वॉर्डन ने कमरे का मेन गेट खोलने का प्रयास किया लेकिन वह नहीं खुला। जब कमरे के पीछे सीढ़ी लगाकर देखा गया तो दो लड़के जमीन पर पड़े हुए थे और उनका काफी खून बह रहा था।

पुलिस ने बताया कि बालकनी में उतरकर शीशा तोड़कर दरवाजा खोला गया। कमरे में दीपक कुमार (22 वर्ष) पुत्र देवेला वेंकट निवासी चिलकुलरी आंध्र प्रदेश तथा देवांश चौहान (23 वर्ष) पुत्र सुरेंद्र सिंह निवासी भगवान टॉकिज आगरा घायल अवस्था में जमीन पर पड़े हुए थे। मौके पर ही दीपक कुमार ने दम तोड़ दिया था जबकि देवांश की हालत गंभीर थी। घायल देवांश को कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

घटना में घायल देवांश चौहान ने आज तड़के उपचार के दौरान अस्पताल में दम तोड़ दिया। थाना नॉलेज पार्क पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना में कल मृत घोषित हुए एमबीए के छात्र दीपक कुमार पुत्र देवला वेंकट निवासी चिलकुलरी आंध्र प्रदेश उम्र 22 वर्ष के शव को पोस्टमार्टम करवाने के बाद उसके परिजन आज तड़के फ्लाइट से आंध्र प्रदेश के लिए लेकर निकल गए हैं। इस मामले में अभी तक किसी ने कोई शिकायत नहीं की है। पुलिस अपने स्तर से मामले की जांच कर रही है।

उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि दोनों छात्र आपस में काफी गहरे दोस्त थे। किसी कारणवश दोनों में विवाद हुआ तथा एक छात्र ने दूसरे को लाइसेंसी रिवाल्वर से गोली मार दी, तथा खुद भी गोली मार ली। उन्होंने बताया कि घायल छात्र देवांश के पिता उत्तर प्रदेश पुलिस में एसीपी के पद से 10 दिन पहले रिटायर्ड हुए हैं।

18 करोड़ की लागत से...

इसके अलावा इस स्टैंड में दो टॉयलेट, टिकट काउंटर, ऑटो मैटिकमेटिक टिकटिंग सेवा, फूड क्योस्क के अलावा ऑटो स्टैंड को भी शामिल किया गया है। जिसमें 14 ऑटो खड़े हो सकते है। लोगों के बैठने के लिए बैंचेस, डेकोरेटिव कॉलम, ट्री ग्रिल , प्लांट बोलार्ड भी लगाए जाएंगे। प्रजेंटेशन के बाद जल्द ही इसके डिजाइन को अप्रूवल मिल जाएगा। इसके बाद टेंडर प्रक्रिया करके निर्माण कंपनी का चयन किया जाएगा।

इस प्रोजेक्ट को बनाने में 18 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। बताया गया कि इसे छोटे-छोटे टेंडर में बांटकर काम कराया जाएगा। ताकि निर्माण की गुणवत्ता समय से इसे पूरा किया जा सके। बता दे सिटी बस सर्विस के एसपीवी के गठन के साथ ही नोएडा ग्रेटरनोएडा और यमुना को 500 ई बस मिल जाएंगी।

हाजीपुर में प्राधिकरण...

आरोपी सुनील और उसके साथियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग थाना पुलिस से की है। थाना प्रभारी ने बताया कि शिकायत पर केस दर्ज कर लिया गया है। नामजद समेत अन्य आरोपी से पूछताछ करने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

डीएनडी के दूसरे चरण...

को जोड़ने वाला डीएनडी फ्लाईओवर एक महत्वपूर्ण परियोजना है। इसका इस्तेमाल हर दिन दो लाख से ज्यादा लोग करते हैं। नोएडा टोल ब्रिज कंपनी लिमिटेड ने दोहराया कि उसने विंडफॉल मुनाफा नहीं अर्जित किया है। जैसा कि अक्सर आरोप लगाया जाता है।

उच्च शिक्षा व कौशल विकास पर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नोएडा (चेतना मंच)। महिला कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन गौतम बुद्ध नगर के अंतर्गत जिला प्रोबेशन अधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनोज कुमार पुष्कर के निर्देशानुसार आज बिसरख ब्लॉक स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, नोएडा सेक्टर-31, निठारी में एक जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 'संकल्प' के तहत चल रहे 10 दिवसीय जनजागरूकता अभियान का हिस्सा रहा, जिसका मुख्य उद्देश्य छात्राओं को उच्च शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं कौशल विकास से संबंधित सरकारी योजनाओं की जानकारी देना और उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना सहित अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी गई और उन्हें इन योजनाओं में नामांकन कराने के लिए प्रोत्साहित किया गया। साथ ही, छात्राओं के आत्मविश्वास को बढ़ाने, सामाजिक व शैक्षणिक दृष्टिकोण से उन्हें सशक्त बनाने हेतु फोटो बूथ सेशन का भी आयोजन किया गया।

महिला कल्याण विभाग की जेंडर स्पेशलिस्ट सुनीता द्वारा बालिकाओं और महिलाओं को विभिन्न विभागीय योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, स्पॉन्सरशिप योजना, बाल सेवा योजना, रानी लक्ष्मीबाई योजना, निराश्रित विधवा पेंशन योजना, वन स्टॉप सेंटर आदि की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त, छात्राओं को आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर जैसे 112, 181, 1096, 1076 एवं 108 के उपयोग और महत्त्व के बारे में भी जागरूक किया गया।

इस कार्यक्रम में हब टीम से डिस्ट्रिक्ट मिशन कोऑर्डिनेटर मीनाक्षी, जेंडर स्पेशलिस्ट सुनीता, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रिंसिपल, प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर तथा संस्थान के सभी अध्यापक एवं अध्यापिकाएं उपस्थित रहीं।

कोहली-रोहित के रिटायरमेंट के बाद भारत का पहला टूर्नामेंट

एशिया कप में गिल निभाएंगे विराट का रोल, क्या रोहित की तरह कामयाब होंगे सूर्या

मुंबई, 10 सितंबर (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप 2024 की जीत के साथ भारतीय क्रिकेट के सुनहरे युग का एक बड़ा अध्याय बंद हो गया। विराट कोहली, रोहित शर्मा और रवींद्र जडेजा जैसे दिग्गजों ने इस फॉर्मेट को अलविदा कह दिया। अब एशिया कप में पहली बार टीम इंडिया उनके बिना मैदान पर उतरेगी। शुभमन गिल पर कोहली की जगह रन बनाने का दबाव होगा, कप्तान सूर्यकुमार यादव को रोहित की कप्तानी का वारिस माना जाएगा और ऑलराउंडर अक्षर पटेल को जडेजा की जिम्मेदारी उठानी होगी।

दूसरी ओर पाकिस्तान ने भी बाबर आज़म और मोहम्मद रिज़वान को हटाकर नया दौर शुरू किया है। ऐसे में एशिया कप सिर्फ खिताब की लड़ाई नहीं, बल्कि नई पीढ़ी के खिलाड़ियों की परीक्षा साबित होगा। क्या ये नए खिलाड़ी और कप्तान बड़े टूर्नामेंट में दिग्गजों को कामयाबी के साथ रिप्लेस कर पाएंगे। स्टोरी में आगे इसी की पड़ताल करेंगे।

कोहली आखिरी टी-20 में प्लेयर ऑफ द मैच बने थे

टीम इंडिया के टी-20 में दूसरे टॉप रन स्कोरर विराट कोहली ने 29 जून 2024 को सबसे छोटे फॉर्मेट को अलविदा कह दिया। इसी दिन भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में साउथ अफ्रीका को हराकर 17 साल बाद खिताब जीता था। कोहली को 76 रन की अहम पारी खेलने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला था।

विराट ने 2010 में भारत से टी-20 डेब्यू किया और 2012 से हर टी-20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लिया। 3 बार वे टूर्नामेंट के टॉप रन स्कोरर रहे। इतना ही नहीं 2014 और 2016 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी बने। वे टी-20 एशिया कप और टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास के टॉप रन स्कोरर भी रहे। टी-20 में विराट पर टॉप ऑर्डर में टीम को संभालने की जिम्मेदारी थी। आखिरी वर्ल्ड कप में ओपनिंग करते हुए उन्होंने इस जिम्मेदारी को संभाला।

गिल ने अब तक सिर्फ 21 टी-20 इंटरनेशनल खेले हैं

टी-20 टीम में शुभमन गिल अब विराट कोहली की जिम्मेदारी संभालते नजर आएंगे। या तो वे बतौर ओपनर खेलेंगे या नंबर 3 पर बैटिंग करेंगे। शुभमन ने 2023 में इस फॉर्मेट से भारत के लिए डेब्यू किया, लेकिन उन्हें विराट की गैरमौजूदगी में ही प्लेइंग-11 में जगह मिल पाई। वे पिछले टी-20 वर्ल्ड कप में भी टीम का हिस्सा नहीं बन पाए थे।

अब शुभमन एशिया कप में टीम के उप कप्तान बनाए गए हैं और उनका टॉप ऑर्डर में खेलना भी कन्फर्म ही है। शुभमन के सामने भी विराट की तरह मुश्किल परिस्थिति में टीम को संभालने और अहम मैचों में जीत दिलाने की चुनौती होगी। उन्होंने भारत के लिए अब तक 21 टी-20 में करीब 139 के स्ट्राइक रेट से 578 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 1 सेंचुरी और 3 फिफ्टी भी लगाई हैं।

रोहित भारत के टॉप टी-20 रन स्कोरर

विराट के साथ रोहित ने भी टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल के बाद संन्यास ले लिया। वे इस फॉर्मेट में दुनिया के टॉप रन स्कोरर बनने और भारत को 17 साल बाद वर्ल्ड कप जिताने के बाद रिटायर हुए। टी-20 में वे टीम इंडिया को लीड करने के साथ ओपनिंग करते हुए तेज शुरुआत दिलाने की जिम्मेदारी भी संभालते थे। रोहित ने 2007 में ही भारत से टी-20 डेब्यू कर लिया था। वे टीम इंडिया से बतौर प्लेयर और बतौर कप्तान वर्ल्ड कप जीतने वाले इकलौते खिलाड़ी रहे। उन्होंने भारत से 9 वर्ल्ड कप खेले और टूर्नामेंट में टीम के दूसरे टॉप स्कोरर रहे। ओवरऑल टीम के लिए उन्होंने 159 मैच में करीब 141 के स्ट्राइक रेट से 4231 रन बनाए। इनमें 5 शतक और 32 हाफ सेंचुरी शामिल रहीं।

सूर्या करेंगे रोहित की जगह कप्तानी

टी-20 टीम में रोहित के बाद सूर्यकुमार यादव को कप्तान बनाया गया। वहीं ओपनिंग पोजिशन को लेफ्ट हैंड बैटर अभिषेक शर्मा ने अपना बना लिया। सूर्या पहले से ही टी-20 टीम का हिस्सा थे, लेकिन अब वे कप्तानी में भी टीम को बेहतरीन लीड कर रहे हैं। सूर्या की कप्तानी में भारत ने अब 22 मैच खेले और 18 में जीत हासिल की।

सूर्या 3 या 4 नंबर पर बैटिंग करते हैं और टीम का स्कोरिंग रेट बढ़ाए रखते हैं। उनके नाम अब तक 83 मैचों में करीब 167 के स्ट्राइक रेट से 2598 रन हैं। इनमें 4 सेंचुरी और 21 फिफ्टी भी शामिल रहीं। दूसरी ओर ओपनिंग पोजिशन पर अभिषेक भी भारत को विस्फोट शुरुआत दिलाने में कामयाब रहे हैं। उनके नाम 17 मैचों में 193.84 के स्ट्राइक रेट से 535 रन हैं। इनमें 2 सेंचुरी और 2 ही फिफ्टी भी शामिल हैं। यानी कप्तानी में सूर्या और ओपनिंग में अभिषेक एशिया कप में रोहित की जिम्मेदारी संभालेंगे।

सचिन सिवाच ने ऑस्ट्रेलियाई मुक्केबाज को हराया

विश्व चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

लिवरपूल, 10 सितंबर (एजंसियां)। इंग्लैंड के लिवरपूल में 4 से 14 सितंबर तक चल रही विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भिवानी जिले के मिताथल गांव के अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाज सचिन सिवाच ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्री-क्वार्टर फाइनल (राउंड-16) में जगह बना ली है। शनिवार देर रात खेले गए राउंड-32 के मुकाबले में सचिन ने ऑस्ट्रेलिया के मुक्केबाज को एकतरफा अंदाज में 5-0 से हराकर अगले चरण में प्रवेश किया।

कोच अनिल टेकराम ने बताया कि सचिन 60 किलोग्राम भारवर्ग में देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राउंड-32 में सचिन का प्रदर्शन काबिले तारीफ रहा जिसमें उन्होंने बेहतरीन पंचों के दम पर विरोधी खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया। कोच ने उम्मीद जताई कि सचिन आगामी दौर में भी जीत का सिलसिला जारी रखते हुए स्वर्ण पदक हासिल करेंगे। राउंड-16 का मुकाबला सचिन का कजाकिस्तान के मुक्केबाज से होगा।

एशिया कप से पहले मोर्केल बोले-ऑलराउंडर्स अतिरिक्त गेंदबाजी विकल्प

उन्हें बैटिंग-बॉलिंग दोनों पर मेहनत करने को कहता हूं, इससे मुश्किल हालात में टीम को फायदा

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने कहा है कि शिवम दुबे जैसे ऑलराउंडर्स 2026 टी-20 वर्ल्ड कप की तैयारियों में भारत के लिए महत्वपूर्ण साबित होंगे।

मोर्केल का मानना है कि दुबे जैसे ऑलराउंडर, जो चार ओवर गेंदबाजी कर सकते हैं, टीम को अतिरिक्त गेंदबाजी विकल्प देते हैं, जिससे मुश्किल परिस्थितियों में भी टीम को फायदा मिलता है।

भारतीय टीम यूएई में एशिया कप खेलने के लिए गई है। टीम इंडिया अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर से यूएई के खिलाफ करेगी।

मोर्केल बोले- बैटिंग-बॉलिंग दोनों पर मेहनत करने को कहता हूं

दुबई स्थित आईसीसी अकादमी में टीम इंडिया के नेट सत्र के दौरान मोर्कल ने कहा, 'मेरे लिए यह महत्वपूर्ण है कि शिवम दुबे जैसे खिलाड़ी चार ओवर गेंदबाजी कर सकें। मैं हमेशा ऑलराउंडरों को उनकी दोनों स्किल्स (बल्लेबाजी और गेंदबाजी) पर मेहनत करने के लिए प्रेरित करता हूं। कई बार खिलाड़ी प्रैक्टिस में एक स्किल पर ज्यादा ध्यान देते हैं और दूसरी को नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन हम कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते।'

गेंदबाजी विकल्पों का फायदा

मोर्कल ने बताया कि अतिरिक्त गेंदबाजी विकल्प भारत को उन परिस्थितियों में सहारा दे सकते हैं, जब मुख्य गेंदबाज रन लुटा रहे हों। उन्होंने कहा, 'किसी दिन हमें किसी ऐसे खिलाड़ी की जरूरत पड़ सकती है, जो काम पूरा करे। उस

दिन की परिस्थितियां किसी खिलाड़ी के लिए ज्यादा अनुकूल हो सकती हैं। इसलिए हमें पेशेवर रवैया अपनाना होगा। यह जिम्मेदारी लेने और क्वालिटी काम करने की बात है, ताकि जब कप्तान सूर्यकुमार यादव आपको गेंद थमाए, तो आप तैयार हों।'

एशिया कप में रणनीति अलग हो सकती है

चैंपियंस ट्रॉफी में भारत ने चार स्पेशलिस्ट स्पिनरों - कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, अक्षर पटेल और रविंद्र जडेजा - के साथ सबको चौंकाया था।

मोर्कल ने संकेत दिया कि दुबई और अबू धाबी में होने वाले एशिया कप में रणनीति अलग हो सकती है, क्योंकि वहां की पिचों पर घास और ओस का प्रभाव हो सकता है। उन्होंने कहा, 'हमें पिच को देखना होगा। चैंपियंस ट्रॉफी के समय यहां काफी क्रिकेट खेला गया था। मुझे लगता है कि पिचों पर काफी घास है।

'पहला मैच शुरू होने से पहले हमें यह समझ आ जाएगा कि कौन सी रणनीति बेहतर होगी। अभी के लिए हम हर पहलू को कवर कर रहे हैं और मैच के दिन अंतिम फैसला लेंगे।'

वाइट बॉल क्रिकेट के लिए कैसे तैयार होना, कुलदीप जानते हैं- मोर्केल

मोर्केल ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में कुलदीप यादव को कोई मैच न मिलने पर सहानुभूति जताई। उन्होंने कहा, 'कुलदीप एक बहुत ही पेशेवर खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड दौरे पर उन्हें मुश्किल से कोई गेम टाइम मिला, लेकिन इसके बावजूद वे मेहनत करते रहे। कुलदीप ने अपने करियर में ढेर सारे ओवर फेंके हैं। उन्हें पता है कि टी-20 और व्हाइट-बॉल क्रिकेट के लिए कैसे तैयार होना है।

उन्होंने आगे कहा, 'हम केवल वही नियंत्रित कर सकते हैं, जो हमारे हाथ में है। जब हम प्रैक्टिस करते हैं तो हमारा ध्यान केंद्रित रहता है। हम लक्ष्य निर्धारित करते हैं और खिलाड़ियों को उन लक्ष्यों को हासिल करने की जिम्मेदारी दी जाती है।'

सीएएफए नेशंस कप: *भारतीय फुटबॉल टीम ने ओमान को पेनाल्टी में हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीता*

कप्तान गुरप्रीत सिंह संधू ने बचाया गोल

हिसोर, 10सितंबर (एजंसियां)। भारतीय फुटबॉल टीम ने पहली बार खेले गए सीएएफए नेशंस कप में ओमान को 3-2 से पेनाल्टी शूटआउट में हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीता। फुटबॉल रैंकिंग में जहां ओमान 79वें नंबर पर है, वहीं भारत 133वें पायदान पर है।

ताजिकिस्तान के हिसोर सेंट्रल स्टेडियम में खेले गए तीसरे स्थान के प्लेऑफ में मुकाबला 1-1 से बराबरी पर खत्म हुआ था।

मैच के 55वें मिनट में जमीअल अल यहमादी ने ओमान के लिए गोल दागा, लेकिन उदांता सिंह ने 80वें मिनट में शानदार हेडर से बराबरी का गोल किया। इसके बाद मुकाबला अतिरिक्त समय में चला गया। 96वें मिनट में ओमान के अली अल बुसेदी को रेड कार्ड मिला और टीम 10 खिलाड़ियों पर सिमट गई। बावजूद इसके, भारत

देर तक दबदबा बनाने के बाद भी विजयी गोल नहीं कर पाया और मैच का फैसला पेनाल्टी से हुआ।

पेनाल्टी शूटआउट में भारत के लिए लालियानजुआला छांगते, राहुल भेके और जितिन एमएस ने गोल किए। वहीं, अनवर अली का शॉट बचा लिया गया और उदांता चूक गए। ओमान की ओर से केवल थानी अल रुशैदी और मुहसन अल घस्सानी गोल कर पाए। भारतीय कप्तान और गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने अल यहमादी का शॉट रोककर भारत को ऐतिहासिक जीत दिलाई।

भारतीय टीम ने इसी के साथ किसी अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल मैच में ओमान को पहली बार हराया है। दोनों टीम अपने ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहीं थी जिससे उन्हें तीसरे स्थान के मुकाबले में खेलने का मौका मिला।

ऋषभ पंत भारत लौटे, बेंगलुरु में ट्रेनिंग करेंगे

वेस्टइंडीज सीरीज से वापसी कर सकते हैं; इंग्लैंड दौरे में पैर फैक्चर हुआ था

बेंगलुरु, 10 सितंबर (एजंसियां)। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत इंग्लैंड से भारत लौट आए हैं। वे जल्द ही बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ट्रेनिंग करेंगे।

27 साल के पंत को इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में खेले गए चौथे टेस्ट के दौरान दाहिने पैर में चोट लगी थी। इसके बाद से ही वे इंग्लैंड में लगातार अपना इलाज करवा रहे थे।

हालांकि उनकी फिटनेस रिपोर्ट अभी पूरी तरह सामने नहीं आई है, लेकिन माना जा रहा है कि पंत की नजरें अक्टूबर में भारत की अगली सीरीज वेस्टइंडीज के खिलाफ से वापसी पर हैं।

अगर पंत तब तक फिट नहीं हुए, तो अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली व्हाइट-बॉल सीरीज से वे वापसी करेंगे।

पंत इंग्लैंड से सीधे मुंबई आए थे और पिछले कुछ दिनों में वहां डॉक्टरों से मिले। जांच के दौरान डॉक्टरों ने उन्हें रिहैब के लिए बेंगलुरु जाने को कहा है। हालांकि अभी भी उनके पैर में पट्टी लगी हुई है।

पंत ने हाल की एक पोस्ट में लिखा, मैंने एक चीज समझी है, चाहे आपने पहले कितना भी दर्द झेला हो, अगर दोबारा चोट लगती है तो उतना ही दर्द होता है। फर्क बस इतना होता है कि आपकी सहनशक्ति बढ़ जाती है और आपको रिकवरी का प्रोसेस पता चल जाता है। इसलिए पॉजिटिव रहना ज़रूरी है। खुद को मोटिवेट करना बहुत मदद करता है। खुद पर भरोसा रखो और जिस दिशा में जीवन ले जाना चाहते हो, उसमें मेहनत करते रहो। क्योंकि जो आपको मार नहीं पाता, वो आपको और मजबूत बना देता है।

23 जुलाई को मैनचेस्टर टेस्ट के पहले दिन क्रिस वोक्स की गेंद पंत के पैर पर लगी थी। उस समय पंत 37 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे और दर्द में रिटायर होकर पवेलियन लौट गए थे। लेकिन अगले दिन सबको चौंकाते हुए, पूरा पैर बांधकर वे दोबारा बैटिंग करने उतरे और टीम के लिए अहम रन बनाए। इसी दौरान उन्होंने अपना अर्धशतक (54 रन) भी पूरा किया था।

विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं जैस्मीन

लिवरपूल, 10 सितंबर (एजंसियां)। राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जैस्मीन लंबोरिया ने शानदार अभियान जारी रखते हुए विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। जैस्मीन ने इसके साथ ही पहले पदक की ओर कदम बढ़ा लिए हैं। जैस्मीन ने जहां भारत को खुश होने का मौका दिया, वहीं, देश के दो अन्य मुक्केबाज हारकर बाहर हो गए।

तीसरी बार विश्व चैंपियनशिप खेल रहीं जैस्मीन ने महिलाओं के 57 किलो वर्ग के अंतिम 16 में ब्राजील की दो बार की ओलंपियन जूसीलेन सेरकीरा रोमेउ को 5-0 से हराया। दोनों के बीच जुलाई में अस्ताना टूर्नामेंट में भी स्वर्ण पदक के लिए मुकाबला हुआ था जिसमे जैस्मीन विजयी रही थीं। अब जैस्मीन विश्व चैंपियनशिप पदक से एक जीत दूर हैं। उनका सामना क्वार्टर फाइनल में एशियाई अंडर

22 चैंपियन उजबेकिस्तान की कुमोराबोनू मामाजोनोवा से होगा।

पुरुष वर्ग में अबिनाश जामवाल ने 65 किलो वर्ग में मैक्सिको के हुगो बैरोन को 5-0 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। वहीं सनामाचा चानू (70 किलो) और साक्षी चौधरी (54 किलो) दोनों अंतिम 16 में हारकर बाहर हो गईं। चानू को कजाखस्तान की नताल्या बोगदानोवा ने हराया, जबकि साक्षी को पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता और दो बार विश्व चैम्पियनशिप के पदक जीत चुकी तुर्की की हतीस अकबास ने मात दी।

अनन्या और दिव्यांशी की जोड़ी का दमदार प्रदर्शन

स्टार कंटेंडर में अंडर-15 युगल खिताब जीता

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजंसियां)। अनन्या मुरलीधरन और दिव्यांशी भौमिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में झाओ वैंगकी और ल्यु झिलिंग की चीन की जोड़ी को हराकर डब्ल्यूटीटी युवा स्टार कंटेंडर टेबल टेनिस टूर्नामेंट में अंडर-15 लड़कियों के युगल वर्ग का खिताब जीता।

कड़े मुकाबले में अनन्या और दिव्यांशी ने अपना धैर्य बरकरार रखते हुए चीन की जोड़ी के खिलाफ 11-8, 7-11, 11-8, 6-11, 14-12 से जीत दर्ज की। दबाव को झेलने और तनावपूर्ण क्षणों में आक्रामक जवाब देने की क्षमता भारतीय जोड़ी को पोडियम पर शीर्ष स्थान दिलाने में निर्णायक साबित हुई।

इससे पहले सेमीफाइनल में इस जोड़ी ने हमवतन रियाना भूटा और अंकोलिका चक्रवर्ती को 3-1 (11-2, 10-12, 11-3, 11-6) से हराया था। रियाना और

अंकोलिका को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। भारत के लिए पीबी अभिनंद और ऋत्विक गुप्ता ने क्रमशः अंडर-19 और अंडर-15 बालक एकल वर्ग में रजत पदक जीते। अभिनंद जापान के इवैडा शुंटो के खिलाफ सीधे गेम में 0-3 (6-11, 7-11, 8-11) से हार गए जबकि ऋत्विक को भी खिताबी मुकाबले में कोरिया के ली सेयुंगसू के खिलाफ 0-3 (8-11, 5-11, 8-11) से शिकस्त झेलनी पड़ी। अंडर-19 मिश्रित युगल में अभिनंद और सिंड्रेला दास की जोड़ी जबकि अंडर-15 बालक युगल में ऋत्विक और साहिल रावत की जोड़ी ने कांस्य पदक जीते। टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों ने कुल छह पदक जीते।

एशिया कप 2025 से पहले पाकिस्तानी खिलाड़ी उस्मान शिनवारी ने लिया संन्यास, अचानक फैसला लेकर दिया झटका

इस्लामाबाद, 10 सितंबर (एजंसियां)। एशिया कप 2025 का आगाज आज से होने वाला है। इसके पहले एक पाकिस्तानी खिलाड़ी ने रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया है। इस प्लेयर का नाम उस्मान शिनवारी है। उन्होंने पाकिस्तान के लिए 2013 में डेब्यू किया था और अब उन्होंने 12 साल बाद अपने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट करियर को विराम देने का फैसला किया है। अचानक से उन्होंने अपने पाकिस्तानी फैंस को

तगड़ा झटका दे दिया है।

लेफ्ट आर्म तेज गेंदबाज उस्मान शिनवारी ने पाकिस्तान के लिए अपना पहला मैच दिसंबर 2013 में खेला था। इसके बाद उन्होंने 34 मैचों में पाक का नेतृत्व किया। पिछले 6 साल से उन्हें टीम में जगह नहीं मिल रही थी। उन्होंने अपना आखिरी मैच अक्टूबर 2019 में श्रीलंका के खिलाफ खेला था। उन्हें इसके बाद टीम से बाहर कर दिया गया। उन्होंने वापसी की कई कोशिश की लेकिन उन्हें अपने देश के लिए खेलने का चांस नहीं मिला।

उस्मान शिनवारी ने पाकिस्तान के लिए 17 वनडे मैचों में हिस्सा लिया और वो 34 विकेट झटकने में सफल रहे। इसी बीच उनकी इकोनॉमी मात्र 4.94 की रही। वनडे में उन्होंने 2 बार फाइव विकेट हॉल अपने नाम किया। टी20 अंतर्राष्ट्रीय में शिनवारी ने 16 मैचों में पाकिस्तान का नेतृत्व किया और उन्होंने 13 विकेट झटके। इसी बीच उनकी इकोनॉमी 8.31 की रही। उस्मान को अपने देश के लिए सिर्फ ही टेस्ट मैच खेलने का मौका मिला, जहां उन्होंने एक विकेट लिया था।

केकेआर को आईपीएल चैंपियन बनाने वाले श्रेयस अय्यर का खुलासा

टीम और मैनेजमेंट पर लगाए 'गंभीर' आरोप!

मुंबई, 10 सितंबर (एजंसियां)। श्रेयस अय्यर ने अपनी कप्तानी में कोलकाता नाइट राइडर्स को आईपीएल 2024 का चैंपियन बनाया था, बावजूद इसके फ्रैंचाइजी ने अय्यर को आईपीएल 2025 के लिए रिटेन नहीं किया था। इसको लेकर केकेआर पर काफी सवाल भी उठे थे। उससे पहले श्रेयस अय्यर ने आईपीएल 2020 में अपनी कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स को फाइनल तक पहुंचाया था। वहीं अब केकेआर के साथ अपने रिश्ते को लेकर अय्यर बड़ा खुलासा करते हुए बातों ही बातों में केकेआर पर गंभीर आरोप लगाया है। श्रेयस अय्यर ने बताया कि "एक खिलाड़ी और कप्तान के तौर पर मैं बहुत कुछ देता हूं। पंजाब किंग्स ने मुझे कोच, मैनेजमेंट और खिलाड़ियों से पूरा

सहयोग दिया, जिसकी मुझे जरूरत भी थी। जिससे मैं मैनेजमेंट की मीटिंग्स में बैठ पाया और मैदान के अंदर-बाहर फैसले ले पाया। वहीं केकेआर में मैं बातचीत का हिस्सा तो रहता था, लेकिन मैं पूरी तरह से इसमें शामिल नहीं था। मुझे इस पद तक पहुंचने में कड़ी मेहनत करनी पड़ी है।"

ऑस्ट्रेलिया ए के साथ होने वाली वनडे सीरीज में श्रेयस अय्यर को कप्तान बनाया गया, जिसको लेकर अय्यर ने कहा "मैं केवल नियंत्रण में रह सकता हूं और अपने कौशल पर काम करता रहूंगा। जब मौका आएगा तो मैं उसको अच्छे से लूंगा।"

आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में पंजाब किंग्स ने श्रेयस अय्यर को 26.75 करोड़ रूपये में खरीदा था। जिसके बाद अय्यर आईपीएल इतिहास के दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी बने। आईपीएल 2025 में अय्यर ने शानदार बल्लेबाजी के साथ-साथ कमाल की कप्तानी भी की थी। जिसके चलते पंजाब किंग्स की टीम लंबे समय के बाद फाइनल तक पहुंची थी। इस सीजन अय्यर ने 600 से ज्यादा रन भी बनाए थे।

काशी में त्रिपिंडी श्राद्ध

पितरों की मुक्ति और वंशजों का कल्याण

सुरेश गांधी

काशी, जिसे अनंत मुक्तिधाम कहा जाता है, भारतीय संस्कृति और धर्म के गहन रहस्यों का केंद्र है। यहां का पिशाचमोचन कुंड विशेष रूप से पितरों की शांति और मोक्ष के लिए प्रसिद्ध है। इसी कुंड पर संपन्न होने वाला त्रिपिंडी श्राद्ध अपने आप में अद्वितीय है, जो न केवल पितरों को प्रेतबाधा और अकाल मृत्यु की पीड़ा से मुक्त करता है, बल्कि वंशजों को भी पितृ ऋण से मुक्ति प्रदान करता है। मतलब साफ है काशी केवल भारत ही नहीं, बल्कि समूचे विश्व के हिंदुओं के लिए मोक्षधाम है। यहां मृत्यु होने पर महादेव स्वयं आत्मा को मुक्त करते हैं। पिशाचमोचन कुंड में त्रिपिंडी श्राद्ध कराने से पितरों को शीघ्र मुक्ति मिलती है। विदेशी हिंदू भी अपने पितरों का श्राद्ध कराने काशी आते हैं। यह अनुष्ठान पीढ़ियों के लिए आध्यात्मिक सेतु का कार्य करता है। वैसे भी श्राद्ध केवल कर्मकांड नहीं, बल्कि स्मृति और कृतज्ञता का संस्कार है। ब्राह्मण भोज और दान से सामाजिक समरसता बढ़ती है। यही वजह है महाकवियों और पुराणों में भी पितृकर्म को धर्म और नीति का अंग बताया गया है. त्रिपिंडी श्राद्ध केवल पूर्वजों की आत्मा की शांति नहीं कराता, बल्कि वंशजों को भी पितृ ऋण से मुक्ति दिलाता है। यह संस्कार जीवन और मृत्यु के बीच सांस्कृतिक सेतु का काम करता है। काशी के पिशाचमोचन कुंड में होने वाला त्रिपिंडी श्राद्ध पितरों की संतुष्टि और वंशजों के जीवन में सुख-शांति सुनिश्चित करता है। यह हमें हमारी जड़ों से जोड़ता है, कृतज्ञता का पाठ पढ़ाता है और भविष्य की पीढ़ियों के कल्याण का मार्ग दिखाता है. इस कर्मकांड में तीन पीढ़ियों के पिंडदान का दिव्य अनुष्ठान होता है. तीन पिंड, तीन ध्वज और तीन देवता : ब्रह्मा, विष्णु और महेश की विशेष साधना की जाती है।

भारतीय जीवनदर्शन में मनुष्य मात्र शरीर और आत्मा का संयोग नहीं, बल्कि तीन ऋणों का धारक है : देवऋण, ऋषिऋण और पितृऋण। इन ऋणों में पितृऋण सबसे सहज, किन्तु सबसे गंभीर माना गया है, क्योंकि हम जो कुछ भी हैं, वह अपने पूर्वजों की देन है। उनके द्वारा बोए गए संस्कार, अर्जित संपत्ति, संचित पुण्य और जीवन की परंपराएं ही हमें प्राप्त होती हैं। इसी ऋण से मुक्त होने के लिए श्राद्ध का विधान है, और जब कई पीढ़ियों का स्मरण एक साथ किया जाए तो वह कहलाता है, त्रिपिंडी श्राद्ध। त्रिपिंडी श्राद्ध यानी पिछली तीन पीढ़ियों के पूर्वजों के पिंडदान। यदि किसी परिवार में किसी पूर्वज की मृत्यु कम उम्र, अकाल या वृद्धावस्था में हुई हो, तो उनकी आत्मा की शांति और मोक्ष के लिए यह अनुष्ठान अनिवार्य माना जाता है। शास्त्रों के अनुसार, पितर ही अपने कुल की रक्षा करते हैं। यदि उनकी तृप्ति न हो तो वंशजों का जीवन बाधाओं, रोग और असफलताओं से प्रभावित हो सकता है। त्रिपिंडी श्राद्ध के माध्यम से पितरों को संतुष्टि मिलती है और आने वाली पीढ़ियों का कल्याण सुनिश्चित होता है। मतलब साफ है त्रिपिंडी श्राद्ध केवल कर्मकांड नहीं, बल्कि पितृलोक और जीवित लोक को जोड़ने वाला आध्यात्मिक सेतु है। यह हमें याद दिलाता है कि हमारा अस्तित्व अकेला नहीं, बल्कि शताब्दियों की परंपराओं, तप और संस्कारों से जुड़ा हुआ है। जैसे वृक्ष की जड़ें सिंचित होने पर शाखाएं हरी-भरी होती हैं, वैसे ही पितरों को तृप्त करने पर संतानों का जीवन सुख-समृद्धि से परिपूर्ण होता है।

यथार्थ में यह केवल तीन पीढ़ियों का तर्पण मात्र नहीं, बल्कि संपूर्ण पितृपरंपरा के प्रति समर्पित आह्वान है। ऐसा माना जाता है कि जब पूर्वजों को भूले-भटके संतानों द्वारा स्मरण नहीं मिलता, तब वे त्रिपिंडी श्राद्ध की कामना करते हैं। 'महाभारत' में भीष्म पितामह ने युधिष्ठिर को श्राद्ध की महिमा समझाते हुए कहा था कि "श्राद्ध तर्पण से पितर संतुष्ट होकर वंशजों को दीर्घायु, संतति, धन और धर्म की सिद्धि प्रदान करते हैं।" पद्मपुराण में उल्लेख है कि यदि श्राद्ध विधि से न किया जाए तो पितृ आत्माएं 'प्रेत योनि' में भटकती रहती हैं और स्वप्न में संकेत देती हैं। ऐसे में त्रिपिंडी श्राद्ध पितरों को स्थायी शांति और तृप्ति प्रदान करता है। कहा जा सकता है त्रिपिंडी श्राद्ध भारतीय जीवन की उस परंपरा का प्रतीक है, जहां मनुष्य अपने जीवन को केवल स्वयं तक सीमित न रखकर, अतीत और भविष्य की कड़ी के रूप में जीता है। यह संस्कार स्मरण कराता है कि पितरों को तृप्त कर हम न केवल अपने ऋण का निर्वाह करते हैं, बल्कि अपने वंश की जड़ों को भी सींचते हैं। कालिदास ने रघुवंश में पितरों को अन्न-जल अर्पित करने का उल्लेख किया है। तुलसीदास ने रामचरितमानस में श्राद्ध को धर्म और नीति का अंग बताया। लोकगीतों और कथाओं में पितृपक्ष को 'कातिके बरखा' की तरह भावुकता से जोड़ा गया है।

त्रिपिंडी श्राद्ध की तिथियां और विधि

पितृपक्ष, भाद्रपद पूर्णिमा से आश्विन अमावस्या तक, पितरों की आत्माओं के स्वागत और श्राद्ध के लिए विशेष काल माना जाता है। यही वह काल है जब माना जाता है कि पितरों की आत्माएं अपने वंशजों के पिंडदान और तर्पण की प्रतीक्षा करती हैं। इसके लिए भोर की बेला में शुद्ध स्नान के पश्चात संकल्प लिया जाता है। कुश के आसन पर बैठकर, तिल, चावल, जौ, घी और मधु से तीन पिंड बनाए जाते हैं। यह तीनों पिंड क्रमशः तमोगुणी प्रेतों के लिए, रजोगुणी प्रेतों के लिए, सात्त्विक प्रेतों के लिए। किया जाता है. इन पिंडों के साथ तीन ध्वज भी लगाए जाते हैं, काला, लाल और सफेद। ये ध्वज क्रमशः तामस, राजस और सात्त्विक योनियों की मुक्ति का प्रतीक हैं। इस विधि में ब्रह्मा, विष्णु और महेश की पूजा विशेष रूप से की जाती है। ब्रह्मा : जीवन के सृजन और मृत्यु के क्षरण का प्रतीक। विष्णु : संतुलन और करुणा के देवता, जो दुःख हरते हैं। शिव : संहारक होते हुए भी करुणामूर्ति, जो आत्मा को मोक्ष प्रदान करते हैं। मंत्रोच्चार के साथ एक-एक पिंड क्रमशः पितृ, पितामह और प्रपितामह को अर्पित किया जाता है। तर्पण के पश्चात ब्राह्मण भोजन कराया जाता है और दक्षिणा अर्पित कर यह अनुष्ठान पूर्ण होता है। त्रिपिंडी श्राद्ध किसी भी दिन किया जा सकता है, किंतु शास्त्रकारों ने विशेष तिथियां बताई हैं, पंचमी, अष्टमी, एकादशी, त्रयोदशी, चतुर्दशी व अमावस्या. इन दिनों में किया गया त्रिपिंडी श्राद्ध पितरों को अधिक शीघ्र और स्थायी संतुष्टि प्रदान करता है। विशेष रूप से अमावस्या का दिन पितृमोक्ष का प्रधान दिन माना गया है। इसके विधि-विधान इस प्रकार है : **(जारी)**

पितृपक्ष की पहली संकष्टी चतुर्थी

सुबह और शाम को करें भगवान गणेश की पूजा, दोपहर में करें पितरों के लिए धूप-ध्यान

बुधवार, 10 सितंबर को गणेश चतुर्थी व्रत किया जाएगा। अभी पितृ पक्ष चल रहा है और इस पक्ष की चतुर्थी का महत्व काफी अधिक है। इस तिथि पर पितरों के लिए धर्म-कर्म करने और भगवान गणेश की पूजा-व्रत करने का शुभ योग बन रहा है।

10 सितंबर की शाम 6 बजे तक आश्विन कृष्ण तृतीया तिथि रहेगी, इस वजह से इस दिन तृतीया तिथि के श्राद्ध कर्म किए जाएंगे। शाम 6 बजे के बाद चतुर्थी तिथि शुरू होगी। गणेश चतुर्थी व्रत में चंद्र दर्शन करने की परंपरा है, 10 सितंबर की रात में चंद्र उदय चतुर्थी तिथि में ही होगा। अगले दिन 11 सितंबर की दोपहर में करीब 3.40 बजे के बाद पंचमी तिथि शुरू होगी और इस दिन चंद्र उदय पंचमी तिथि में ही होगा। इसलिए 10 सितंबर को चतुर्थी व्रत करना श्रेष्ठ है। बुधवार को तृतीया का श्राद्ध - पितृ पक्ष की तृतीया पर उन पूर्वजों के लिए श्राद्ध कर्म करें, जिनकी मृत्यु किसी भी महीने की तृतीया तिथि पर हुई हो।

चतुर्थी व्रत से जुड़ी खास बातें

चतुर्थी तिथि के स्वामी भगवान गणपति हैं, क्योंकि इसी तिथि पर उनका अवतार हुआ था। जो लोग गणेश जी को अपना आराध्य मानते हैं, वे लोग सालभर की सभी चतुर्थियों पर व्रत-उपवास करते हैं।

एक साल में कुल 24 चतुर्थियां आती हैं और जब किसी वर्ष में अधिकमास आता है तो इस तिथि की संख्या 26 हो जाती है।

चतुर्थी व्रत घर-परिवार की सुख-समृद्धि बनाए रखने की कामना से किया जाता है। महिला और पुरुष दोनों ये व्रत कर सकते हैं।

जो लोग चतुर्थी व्रत करना चाहते हैं, उन्हें सुबह गणेश जी की पूजा करनी चाहिए और पूजा में भगवान के सामने चतुर्थी व्रत करने का संकल्प लेना चाहिए।

व्रत करने वाले भक्त को दिनभर अन्न का त्याग करना चाहिए। जो लोग दिनभर भूखे नहीं रह पाते हैं, वे एक समय फलाहार कर सकते हैं, दूध और फलों के रस का सेवन कर सकते हैं। दिन में गणेश जी की कथाएं पढ़ें-सुनें। गणेश जी के मंत्रों का जप करें। ग्रंथों का पाठ करें।

चतुर्थी व्रत में चंद्र पूजा करने की परंपरा है। शाम को सूर्यास्त के बाद जब चंद्र उदय हो, तब चंद्र देव के दर्शन करें और अर्घ्य अर्पित करें। चंद्र देव की पूजा करें।

शाम को चंद्र पूजा के साथ ही घर के मंदिर में गणेश जी की पूजा करें। पूजा के बाद व्रत का पारण करें। ये व्रत करने की सामान्य विधि है। इस तरह चतुर्थी व्रत पूरा हो जाता है।

इस बार बुधवार को चतुर्थी तिथि है, इसलिए इस दिन बुध ग्रह की भी पूजा करनी चाहिए। बुध ग्रह के मंत्र ऊँ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः का जप करें। बुध ग्रह के लिए हरे मूंग का दान करें।

दोपहर में करें पितरों के लिए धूप-ध्यान

पितरों के श्राद्ध करने का सबसे अच्छा समय दोपहर का ही माना जाता है। दोपहर में करीब 12 बजे गाय के गोबर से बना कंडा जलाएं और जब कंडे से धुआं निकलना बंद हो जाए, तब अंगारों पर गुड़-घी अर्पित करें, पितरों का ध्यान करें। हथेली में जल लेकर अंगूठे की ओर से पितरों को चढ़ाएं।

उधारी से राहत का अचूक उपाय नमक और थाली से करें ये आसान टोटका

आजकल बहुत से लोग कर्ज और उधारी के बोझ से परेशान हैं। चाहे बैंक का लोन हो, दोस्तों से लिया हुआ पैसा हो या व्यापार में लगी उधारी, तनाव हमेशा सिर पर रहता है। कई बार मन करता है कि सब कुछ तुरंत खत्म हो जाए और हम चैन की सांस ले सकें। ऐसे में लोग अलग-अलग उपाय आज़माते हैं, लेकिन हर चीज़ तुरंत असर नहीं करती। जैसे फसल बोने के बाद फल आने में समय लगता है, वैसे ही उपायों को भी असर दिखाने में वक्त लगता है, अगर आप धैर्य से और सही तरीके से उपाय करेंगे, तो धीरे-धीरे कर्ज चुकाने के रास्ते खुलने लगते हैं।

उपाय करने का तरीका

शुक्रवार को शुरुआत करें

इस उपाय को केवल शुक्रवार के दिन करना है। उस दिन सुबह सबसे पहले अपने कुल देवता या घर के इष्ट देवता की पूजा करें। धूप, दीप, फूल चढ़ाकर आशीर्वाद लें।

नमक तैयार करें

पीतल, तांबे या मिट्टी की थाली लें। स्टील का इस्तेमाल न करें। उसमें साबुत नमक भरें और अगर चाहें तो उसे हल्का पीस भी सकते हैं। यह नमक ज्यादा महंगा नहीं होता, आधा किलो भी काफी है।

कर्ज की रकम लिखें

अब एक कागज पर अपना कर्ज जितना भी है – जैसे 10,000, 50,000 या 7,00,000 – वह पूरी संख्या में लिखें। ध्यान रहे, शब्दों में न लिखें, सिर्फ अंकों में ही लिखें।

थाली को देवस्थान में रखें

नमक से भरी थाली और उस पर लिखा हुआ कर्ज का नंबर देवस्थान में रख दें। वहां पर धूप दीप जलाकर प्रार्थना करें कि जैसे यह नमक मिट्टी में मिल जाएगा, वैसे ही आपकी उधारी भी खत्म हो जाए।

रातभर वही रखें

थाली को रातभर उसी जगह पर रहने दें। ध्यान रखें, उसे कोई हिलाए नहीं और न ही लिखा हुआ नंबर मिटे।

अगले दिन चेक करें

सुबह देखें कि लिखा हुआ नंबर सही है या मिट गया है, अगर नंबर साफ है, तो अगले चरण पर जाएं, अगर मिट गया है, तो यह संकेत है कि कोई ग्रह बाधा है। ऐसे में उसी प्रक्रिया को फिर से करें।

मटकी में भरें और 11 दिन रखें

अगर नंबर सही है तो उस नमक को एक नई मिट्टी की मटकी में भर दें। मटकी के ऊपर कपड़ा बांधकर उसे वापस देवस्थान में रख दें। यह मटकी वहीं 11 दिन तक रहेगी।

नदी में विसर्जन करें

11 दिन पूरे होने के बाद उस मटकी को किसी बहती नदी या जलधारा में ले जाकर डाल दें। इस दौरान प्रार्थना करें कि जैसे यह नमक बह रहा है, वैसे ही आपकी सारी उधारी भी बह जाए।

क्या मिलेगा इस उपाय से?

इस उपाय को करने से मन में आत्मविश्वास बढ़ता है और धीरे-धीरे कर्ज चुकाने के रास्ते खुलने लगते हैं। पैसा आने के नए साधन बनने लगते हैं और उधारी चुकाने में आसानी होती है। कई लोग बताते हैं कि इस उपाय से उनके जीवन में बहुत फर्क पड़ा और उन्हें राहत मिली।

ध्यान रखने योग्य बातें

उपाय केवल शुक्रवार को ही करें।

थाली या मटकी में नमक भरने के बाद उसे हिलाएं नहीं।

कर्ज की राशि हमेशा अंकों में ही लिखें।

अगर नंबर मिट जाए तो उसे ग्रह बाधा मानकर दोबारा उपाय करें।

मटकी को केवल बहते पानी में ही विसर्जित करें।

हमारी बातों में हमारे संस्कार, विचार, पूर्वज, वंश, परंपरा और संस्कृति

स्वामी अवधेशानंद जी गिरि के जीवन सूत्र में जानिए बात करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

कुछ भी बोलने से पहले हमें सोच-विचार करना चाहिए। हमारी अभिव्यक्ति में मधुरता, सत्यता, प्रियता होनी चाहिए। हमारी बातों में हमारे संस्कार, विचार, पूर्वज, वंश, परंपरा और संस्कृति की झलक दिखाई देती है। हम किसी संस्कृति, परिवार, विचार, परंपरा का प्रतिनिधित्व करते हैं, इसलिए अपने शब्दों के संबंध में बहुत सतर्क रहना चाहिए।

पितृपक्ष में भगवान की पूजा करें या छोड़ दें? पिंडदान, तर्पण और दान का सही तरीका

पितृपक्ष जिसे श्राद्ध भी कहा जाता है हिंदू धर्म में बहुत महत्वपूर्ण है। यह 16 दिनों तक चलता है। इस समय लोग अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान, तर्पण और ब्राह्मण भोज जैसे धार्मिक अनुष्ठान करते हैं।

जिस तिथि को आपके पूर्वज का निधन हुआ था उसी दिन श्राद्ध करना चाहिए। इससे उनकी आत्मा को शांति मिलती है और परिवार में खुशहाली आती है।

तर्पण में काले तिल, जौ और जल से पितरों को अर्घ्य दिया जाता है। पिंडदान और ब्राह्मण भोज करना अनिवार्य है। यदि ब्राह्मण न मिलें तो जरूरतमंद या गाय को भोजन कराया जा सकता है। यह हर दिन नियमित करना चाहिए।

पितृपक्ष में दान करना बहुत शुभ माना जाता है। अन्न, वस्त्र, जूते और अन्य जरूरी चीजें दान करें। इससे पितरों की आत्मा को शांति मिलती है और परिवार में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

इस दौरान मांस, शराब और तामसिक भोजन से परहेज करें। विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन या नए व्यवसाय की शुरुआत न करें। बाल और नाखून न काटें नए कपड़े, गहने या अन्य वस्तुएं न खरीदें।

पितृपक्ष में भोजन में लहसुन और प्याज का प्रयोग न करें। घर में साफ-सफाई रखें और शांत वातावरण बनाए रखें। किसी से बहस या झगड़ा न करें। इससे पितरों की पूजा का फल मिलता है और घर में सुख-शांति रहती है।

पितृपक्ष में पितरों की पूजा के साथ देवी-देवताओं की पूजा भी करनी चाहिए। पूजा के बिना श्राद्ध और पिंडदान का फल पूरा नहीं मिलता। भगवान की पूजा नियमित रूप से करनी चाहिए।

पितरों की तस्वीर कभी देवी-देवताओं के साथ न रखें। तस्वीर का मुख हमेशा दक्षिण दिशा की तरफ रखें और एक से अधिक तस्वीर न रखें। इससे नकारात्मक ऊर्जा नहीं आती और श्राद्ध के लाभ पूर्ण रूप से मिलते हैं।

पितृपक्ष में घर बैठे करें ये काम

आमतौर पर लोग गया जाकर पिंडदान और तर्पण करते हैं, लेकिन हर किसी के लिए वहां जाना संभव नहीं होता। ऐसे में घर पर रहते हुए भी अपने पितरों को प्रसन्न किया जा सकता है और श्रद्धांजलि दी जा सकती है। यह समय ऐसा है जब घर-परिवार में पितरों को याद करके उन्हें जलांजलि दी जाए तो माना जाता है कि उनके आशीर्वाद से संतानों का भाग्य चमक उठता है।

अन्न दान करना बड़ा पुण्यकारी माना जाता है

भद्रे पूर्णिमा से लेकर अश्विन अमावस्या तक पूरे 16 दिन पितृपक्ष कहलाते हैं। मान्यता है कि इस अवधि में पितर आकाश मार्ग से आते हैं और उम्मीद करते हैं कि उनकी संतान उन्हें याद करे। ऐसे दिनों में अनावश्यक खरीदारी से बचना चाहिए और पितरों की तिथि पर दाल-चावल, नमक जैसे सरल अन्न दान करना बड़ा पुण्यकारी माना जाता है। सबसे सरल और श्रेष्ठ उपाय है गौसेवा। जिस दिन पितरों की तिथि हो उस दिन गाय को गुड़ और हरा चारा खिलाने से सभी पितर तृप्त हो जाते हैं। गरुड़ पुराण में भी इसका उल्लेख मिलता है।

इसके अलावा घर पर बना हुआ भोजन...चाहे पूरी हो या सब्जी...किसी गरीब, ब्राह्मण या मंदिर में अर्पित करना चाहिए। अगर किसी को अपने पितरों की तिथि का ज्ञान नहीं है तो अमावस्या के दिन सर्वपितृ विसर्जन तिथि पर अन्न-दान और गौसेवा से पितरों को तृप्त किया जा सकता है।

क्या है तर्पण विधि

महंत कामेश्वरानंद का कहना है कि घर बैठे रोजाना सुबह-सुबह हाथ में जल और काले तिल लेकर दक्षिण दिशा की ओर मुख करके पितरों का नाम स्मरण करते हुए तर्पण करना चाहिए। इसे जलांजलि कहते हैं। गमले या किसी पात्र में यह जल चढ़ाकर दक्षिण दिशा की ओर अर्पित किया जा सकता है। बस दो मिनट की यह साधना पितरों को संतुष्ट करती है।

श्रद्धा-भाव सबसे बड़ी पूंजी

कहते हैं...जैसा अन्न वैसा मन... इसलिए पितरों के निमित्त दिया गया हर कण हमारे लिए पुण्य का कारण बनता है। जो लोग सोचते हैं कि बिना गया गए श्राद्ध पूरा नहीं होता उनके लिए यह जानना जरूरी है कि श्रद्धा-भाव सबसे बड़ी पूंजी है। अपने घर पर ही पितरों का स्मरण कर जल और अन्न अर्पित कर गाय और गरीब को भोजन खिलाकर हम उनके आशीर्वाद के हकदार बन सकते हैं। यही सच्ची श्रद्धांजलि है जो हमारे जीवन की नैया पार लगाती है।

नॉर्थ ईस्ट में किताबें रखने की गलती न करें

1. सही वातावरण का महत्व

बच्चों की पढ़ाई के लिए सबसे पहले जरूरी है सही वातावरण, अगर घर में बच्चों की किताबें बिना किसी नियम के रखी जाएँ, तो बच्चे की आदत गलत दिशा में चली जाती है. किताबें उनके लिए सिर्फ बोझ बन जाती हैं. इसलिए पढ़ाई की जगह साफ, शांत और व्यवस्थित होनी चाहिए।

2. सिर्फ किताबें नहीं, सीखने का तरीका भी जरूरी है

कई बार माता-पिता केवल किताबें खरीद देते हैं, लेकिन यह नहीं देखते कि बच्चे उनका सही तरीके से उपयोग कर रहे हैं या नहीं. पढ़ाई सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं होनी चाहिए. बच्चों को समझने की आदत डालनी चाहिए, सवाल पूछने दें, प्रयोग करने दें. इससे पढ़ाई में उनकी रुचि बढ़ती है।

3. डर या दबाव से सीखना मुश्किल है

कुछ बच्चे सिर्फ डर के कारण स्कूल जाते हैं, अगर शिक्षक या माता-पिता उनके ऊपर लगातार दबाव डालते हैं, तो बच्चे मानसिक रूप से परेशान हो जाते हैं. ऐसे में पढ़ाई में मन नहीं लगता और बच्चे ड्रॉपआउट तक सोचने लगते हैं. इसलिए बच्चों को प्यार और समझदारी से पढ़ाई के लिए प्रेरित करना चाहिए।

4. रूटीन बनाना जरूरी है

बच्चों को पढ़ाई के लिए एक निश्चित रूटीन चाहिए. सुबह उठने से लेकर पढ़ाई के समय तक का टाइमटेबल उनके लिए स्पष्ट होना चाहिए. इससे बच्चा समय का सही इस्तेमाल करता है और पढ़ाई में ध्यान लगाता है।

5. पढ़ाई को खेल-खेल में बदलें

पढ़ाई को कभी-कभी खेल की तरह पेश करना बच्चों के लिए फायदेमंद होता है. उदाहरण के लिए छोटे-छोटे क्विज़, इंटरैक्टिव सवाल या चित्रों के साथ पढ़ाई करने से बच्चे की रुचि बनी रहती है।

6. व्यक्तिगत अनुभव की अहमियत

हम सभी के अपने अनुभव हमें सिखाते हैं कि सिर्फ किताबें रखने से या डर दिखाने से बच्चे पढ़ाई नहीं करेंगे. मेरी व्यक्तिगत अनुभव से यह साफ हुआ है कि प्यार, समझ और सही दिशा में प्रेरणा से ही बच्चे पढ़ाई में अच्छा करते हैं।

ऋतिक रोशन करेंगे 'क्रिश 4' का निर्देशन : राकेश रोशन

बॉलीवुड में सुपरहीरो फिल्मों की बात हो और कृष फ्रेंचाइजी का जिक्र न हो, ऐसा संभव नहीं। राकेश रोशन की इस सफल सीरीज ने दर्शकों को भारत का अपना सुपरहीरो दिया है। अब इस फ्रेंचाइजी के चौथे भाग को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। इस बार निर्देशक की कुर्सी खुद ऋतिक रोशन संभालेंगे और फिल्म 2027 में रिलीज होगी। जी हां, खुद राकेश रोशन ने इंटरव्यू में ये अपडेट दिया है।

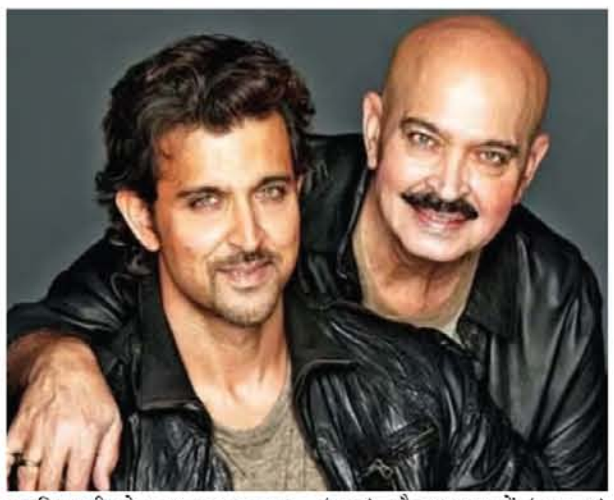

कब शुरू होगी शूटिंग?

राकेश रोशन ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया है कि फिल्म की शूटिंग 2026 के मिड में शुरू होगी। उन्होंने बताया कि स्क्रिप्ट को ज्यादा समय नहीं लगा, लेकिन फिल्म का बजट तय करने में सबसे ज्यादा मेहनत करनी पड़ी। चूंकि यह अब तक की सबसे बड़ी फिल्म होने वाली है, इसलिए प्री-प्रोडक्शन पर खास ध्यान दिया जा रहा है।

क्यों खास है यह फिल्म?

कृष फ्रेंचाइजी की शुरुआत 2003 में 'कोई मिल गया' से हुई थी, जिसमें जादू नाम का एलियन बच्चों और बड़ों सभी का पसंदीदा बन गया। इसके बाद 2006 में 'कृष' और 2013 में 'कृष 3' आई। अब लगभग 14 साल बाद इस सीरीज की चौथी कड़ी दर्शकों के सामने आएगी। लंबे इंतजार के बाद 'कृष 4' से लोगों की उम्मीदें बहुत ज्यादा हैं।

ऋतिक रोशन की नई जिम्मेदारी

अब तक इस फ्रेंचाइजी का निर्देशन राकेश रोशन करते आए हैं, लेकिन पहली बार ऋतिक रोशन निर्देशक के रूप में सामने आएंगे। उन्होंने एक इवेंट में कहा था कि उनके अंदर हमेशा से एक फिल्ममेकर छिपा रहा है और अब समय आ गया है कि वह उस चुनौती को स्वीकार करें। उन्होंने यह भी माना कि उन्हें घबराहट और डर है, लेकिन यही डर उन्हें नया सीखने और आगे बढ़ने की प्रेरणा देगा।

ऋतिक के निर्देशन करने पर बोले पिता

राकेश रोशन ने बेटे ऋतिक के निर्देशन में कदम रखने को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि जैसे 25 साल पहले उन्होंने ऋतिक को 'कहो ना प्यार है' से दुनिया के सामने पेश किया था, वैसे ही अब उन्हें दोबारा पेश करने जा रहे हैं लेकिन इस बार एक निर्देशक के रूप में।

नानी की फिल्म के लिए हैदराबाद में बन रहा सबसे बड़ा स्लम सेट, 'बाहुबली' से क्या है कनेक्शन?

हैदराबाद में फिल्म 'द पैराडाइज' के लिए एक बड़ा सेट तैयार किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि यह सेट करीब 30 एकड़ में बनेगा। मेकर्स चाहते हैं कि इसमें स्लम्स जैसा माहौल दिखे, जो कहानी का अहम हिस्सा है। फिल्म में दिखाया जाएगा कि कैसे लीड कैरेक्टर स्लम से निकलकर बड़ा बनता है।

'बाहुबली' जैसा ग्रैंड होगा 'द पैराडाइज' सेट

फिल्म से जुड़े एक सोर्स ने बताया, 'एक्टर नानी की फिल्म के सेट का आकार 'बाहुबली' फिल्म में दिखाए गए महिष्मती साम्राज्य जितना बड़ा होगा। फिल्म में नानी का किरदार स्लम में रहता है, वह धीरे-धीरे पावरफुल बनता है। उसकी इस जर्नी को दिखाने के लिए मेकर्स ने बड़ा सेट बनाया है, सेट के बीच में एक बड़ा आर्च भी होगा, जो फिल्म का एक जरूरी हिस्सा होगा।'

रियल फील देने की कोशिश

फिल्म से जुड़े सोर्स ने आगे बताया, 'मेकर्स चाहते हैं कि सेट जितना बड़ा हो, उतना ही रियल जैसा महसूस होगा। इसलिए स्लम्स की हर डिटेल पर काम किया जा रहा है। जैसे 'बाहुबली' में महलों को बहुत भव्य तरीके से दिखाया गया था, वैसे ही यहां स्लम्स का माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है। फर्क बस इतना होगा कि यहां महलों की जगह झुग्गियों और गलियों पर ध्यान दिया जा रहा है। इसी वजह से इसे 'स्लम्स का बाहुबली' कहा जा रहा है।'

फिल्म से जुड़ी है उम्दा टीम

फिल्म 'द पैराडाइज'' में लीड रोल एक्टर नानी कर रहे हैं, जिन्हें लोग नेचुरल स्टार के नाम से जानते हैं। फिल्म का निर्देशन श्रीकांत ओडेला कर रहे हैं। श्रीकांत ओडेला पहले 'नन्नाकु प्रेमथो' और 'रंगस्थलम' जैसी फिल्मों में असिस्टेंट डायरेक्टर रह चुके हैं। उन्होंने बतौर डायरेक्टर 'दसरा' से शुरुआत की थी।फिल्म का म्यूजिक अनिरुद्ध रविचंदर तैयार कर रहे हैं। इसमें अनिरुद्ध और अर्जुन चांडी की आवाज भी है। मेकर्स का कहना है कि म्यूजिक फिल्म के माहौल को और बेहतर बनाएगा और ऑडियंस को जोड़े रखेगा।

कई भाषाओं में रिलीज होगी फिल्म

'द पैराडाइज' SLV सिनेमा के साथ मिलकर बनाई जा रही है। इसे हिंदी, तेलुगु, तमिल, इंग्लिश, स्पैनिश, बंगाली, कन्नड़ और मलयालम समेत आठ भाषाओं में दिखाया जाएगा। फिल्म की टीम का कहना है कि वे इसको देश ही नहीं बल्कि विदेशी ऑडियंस तक भी पहुंचाना चाहते हैं।

पंजाब में बाढ़ प्रभावितों की मदद के लिए पहुंचे सोनू सूद, यूजर्स ने बताया असली हीरो

पंजाब इन दिनों बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित है। कई बॉलीवुड सेलेब्स पंजाब के बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद के लिए आगे आ रहे हैं। इसी कड़ी में अभिनेता सोनू सूद ने बाढ़

प्रभावित इलाके का दौरा किया है। उन्होंने इस दौरे की तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट की हैं और लोगों की मदद करने की बात कही है।

सोनू सूद ने बाढ़ का जायजा लिया

सोनू सूद ने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीरें शेयर की हैं उनमें देखा जा सकता है कि वह नाव पर बैठे हैं। वह बाढ़ प्रभावित इलाके का दौरा कर रहे हैं। वह आम लोगों से मिल रहे हैं और उनसे बात कर रहे हैं। उन्होंनें तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा 'हमेशा पंजाब के साथ। हम जमीन पर थे। हमने नुकसान, दिल टूटने का दर्द देखा। हमने वह ताकत भी देखी जो कम नहीं हुई। गांव पानी में डूबे हुए हैं, जिंदगियां उजड़ी हुई हैं, लेकिन उम्मीद अभी भी कायम है। पंजाब को जो भी चाहिए हम मदद करने के लिए तैयार हैं। पुनर्निर्माण के लिए तैयार हैं। साथ मिलकर घाव भरने के लिए तैयार हैं। हम पंजाब के साथ हैं, हमेशा के लिए।' कई यूजर्स ने सोनू सूद की इस पहल के लिए तारीफ की है।

किडनी की बीमारी से पीड़ित बच्चे से मुलाकात की

सोनू सूद ने पंजाब में एक छोटे बच्चे से मुलाकात की, जो कथित तौर पर किडनी की बीमारी से पीड़ित है। उन्होंने कहा कि वह उसके ठीक होने में हर संभव मदद करेंगे। उन्होंने एक्स पर अस्पताल से तस्वीरें साझा कीं, जिनमें वह बच्चे और उसके परिवार से मिलते हुए दिखाई दे रहे हैं।

बाढ़ की वजह से इलाज प्रभावित नहीं होगा

सोनू सूद ने लिखा 'आज पंजाब में नन्हे अविजोत से मुलाकात हुई। उनके आगे एक बड़ी लड़ाई है। हम उसके ठीक होने में हर संभव मदद करेंगे। इस नन्हे फरिश्ते की स्वस्थ होने की कामना करते हैं। वह अकेला नहीं है।'

5 सितंबर को सूद ने बताया कि उन्होंने लड़के के परिवार से बात की है और आश्वस्त किया है कि बाढ़ के कारण 'उसका इलाज बाधित नहीं होगा।'

सोनू ने लोगों की मदद करने की कही बात

सोनू सूद ने कहा 'मैं बागपुर, सुल्तानपुर लोधी, फिरोजपुर, फाजिल्का, अजनाला जा रहा हूं और मैं चारों ओर जाकर स्थिति का पता लगाने की कोशिश करूंगा। पंजाब में अभी भी बारिश हो रही है, कई घर नष्ट हो गए हैं, लोगों की आजीविका बर्बाद हो गई है, इसलिए मैं पूरी मदद करने की कोशिश करूंगा। मैं स्थानीय प्रशासन से उनकी जरूरतों की सूची लूंगा।'

फैंस के सामने टाइगर श्रॉफ ने उतारी टी-शर्ट, वायरल हो गया वीडियो

बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ अपनी फिल्म 'बागी 4' को लेकर खुश हैं। यह फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म ने विवेक अग्निहोत्री की 'द बंगाल फाइल्स' से ज्यादा कमाई की है। रविवार, 7 सितंबर को टाइगर श्रॉफ ने मुंबई के बांद्रा स्थित गेयटी गैलेक्सी में फैंस को अपने कारनामे से हैरान कर दिया। यहां उन्होंने दर्शकों को हाउसफुल का बोर्ड दिखाया।

टाइगर ने उतारी टी-शर्ट

टाइगर श्रॉफ ने इसी मौके पर अपनी टी-शर्ट उतार दी और अपने बेहतरीन सिक्स-पैक एब्स दिखाए। टाइगर के टी-शर्ट उतारने पर फैंस उत्साह से चीख पड़े। सोशल मीडिया पर उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि टाइगर ने चिल्लाते हुए फैंस की भीड़ में अपनी टी-शर्ट उपहार के तौर पर दे दी।

बॉक्स ऑफिस पर कर रही कमाई

'बागी 4' ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 12 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। दूसरे दिन फिल्म की कमाई घटी। दूसरे दिन फिल्म ने 9.25 करोड़ रुपये कमाए। तीसरे दिन फिल्म ने 10 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। इस तरह से इस फिल्म की तीन दिन की कमाई 31.25 करोड़ रुपये हो गई है। बॉक्स ऑफिस पर गिरावट के बावजूद, टाइगर श्रॉफ की एक्शन फिल्म दर्शकों का ध्यान खींच रही है। फिल्म में संजय दत्त, श्रेयस तलपड़े, सौरभ सचदेवा, उपेंद्र लिमये और शीबा आकाशदीप साबिर भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

फिल्म से हटाए गए कई दृश्य

आपको बता दें कि सीबीएफसी ने 'बागी 4' के निर्माताओं से फिल्म से 23 दृश्य और श्रव्य दृश्यों को हटाने को कहा। इसमें गला काटने, हाथ काटने और तलवार से हत्या के हिंसक दृश्य थे। इसके साथ ही ईसा मसीह की मूर्ति वाले दृश्य को हटाने का निर्देश दिया गया। 'भांग', 'कंडोम' और गाली-गलौज वाले संवादों को म्यूट कर दिया गया या बदल दिया गया। 11 सेकंड का एक अत्यधिक हिंसा वाला दृश्य भी हटा दिया गया।

कब-कब रिलीज हुईं बागी सीरीज की फिल्में

यह फिल्म 'बागी' श्रंखला की चौथी किस्त है। 'बागी' श्रंखला की सबसे पहली फिल्म 2016 में रिलीज हुई थी। इसका नाम 'बागी' था। इसके बाद 'बागी 2' 2018 में रिलीज हुई। 'बागी 3' 2020 में रिलीज हुई।

'बॉर्डर 2' से जुड़ा सोनम बाजवा का नाम बनेंगी इस एक्टर की हीरोइन

दिलजीत दोसांझ, वरुण धवन और अहान शेट्टी की अदाकारी वाली फिल्म 'बॉर्डर 2' काफी चर्चा में है। फिल्म ने पहले

ही खूब सुर्खियां बटोरी हैं। फिल्म की स्टार कास्ट में एक नया नाम जुड़ गया है। इससे फिल्म और चर्चा में आ गई है। फिल्म से अब सोनम बाजवा का नाम जुड़ गया है। वह पहले दिलजीत दोसांझ के साथ काम कर चुकी हैं।

'बॉर्डर 2' से जुड़ा दिलजीत दोसांझ का नाम

सोनम बाजवा बहुप्रतीक्षित ड्रामा फिल्म 'बॉर्डर 2' के लिए दिलजीत दोसांझ के साथ फिर से काम करने के लिए तैयार हैं। सोनम बाजवा और दिलजीत दोसांझ ने 'पंजाब 1984', कॉमेडी फिल्म 'सरदार जी 2', एक्शन से भरपूर फिल्म 'सुपर सिंह' और पारिवारिक मनोरंजन फिल्म 'हौसला रख' में साथ में काम किया है।

फिल्म 'बॉर्डर 2' में दिलजीत दोसांझ और सोनम बाजवा के अलावा सनी देओल, वरुण धवन, मेधा राणा और मोना सिंह जैसे दमदार कलाकार भी होंगे।

सनी देओल ने फिल्म को लेकर कही खास बात

सनी देओल ने बॉलीवुड बबल से बातचीत में फिल्म को लेकर कहा 'हम कभी किसी चीज को लेकर निश्चित नहीं होते। बस चुनौती के साथ कुछ करने का उत्साह हमेशा दिलचस्प होता है।

शुरू करने से पहले अगर आदमी सोच लेगा तो वह काम नहीं कर पाएगा। शुरू में चर्चाएं होती रहती हैं फिर हमें बहाव के साथ चलना होता है।'

'बॉर्डर 2' के बारे में

फिल्म 'बॉर्डर 2' जेपी दत्ता की 1997 की क्लासिक फिल्म 'बॉर्डर' का सीक्वल है। फिल्म में एक बार फिर भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध दिखाया जाएगा। इस फिल्म के निर्माता भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जेपी दत्ता और निधि दत्ता हैं। 'बॉर्डर 2' का निर्देशन अनुराग सिंह कर रहे हैं।

'इतने साल से मुंबई में रहते हो, तुम्हें मराठी नहीं आती', बिग बी से किसने किया यह सवाल?

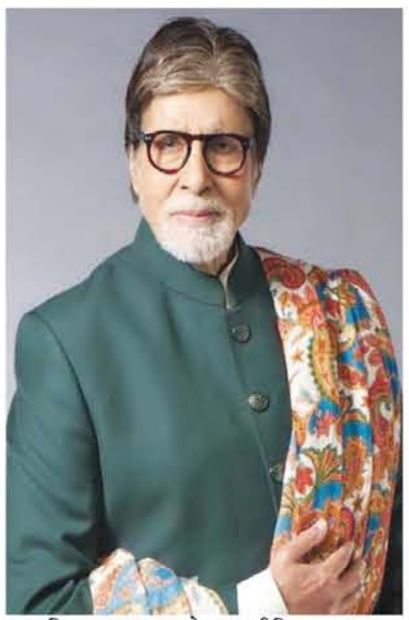

अमिताभ बच्चन सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहते हैं और यहां अपनी पर्सनल-प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े अपडेट शेयर करते रहते हैं। उन्होंने रविवार देर रात सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें मराठी भाषा का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि वे मराठी भाषा नहीं जानते हैं। हालांकि, बिग बी ने अपने पोस्ट में बीते दिनों चले मराठी भाषा विवाद पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

बिग बी से किया गया यह सवाल

अमिताभ बच्चन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने लिखा, 'किसी ने मुझसे कहा कि तुम्हें मराठी नहीं आती और तुम इतने साल मुंबई में रहते हो। यह तो सच है पर इसे सीखने की कोशिश करो, सीखना भी एक सलाम है'।

ट्वीट करते वक्त फिर हुई बिग बी से गलती

इसके अलावा शहंशाह ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर भी एक पोस्ट शेयर किया। इसमें उन्होंने लिखा है, 'जो सिखाता है वह भी सीख रहा है'। इस पर यूजर्स ने उनकी बात से सहमति जताई है। एक यूजर ने लिखा, 'यह एकदम सच है'। अमिताभ बच्चन ने अपने इस ट्वीट में वर्तनी की एक गलती कर दी है। उन्होंने वह को 'वि' लिख दिया। तमाम यूजर्स इस गलती की तरफ भी बिग बी का ध्यान आकर्षित करा रहे हैं।

पिछले पोस्ट में हुई थी यह गलती

बता दें कि इससे पहले गणपति विसर्जन के दिन किए गए पोस्ट में अमिताभ बच्चन ने वर्तनी की एक गलती भूलवश कर दी थी। इस पर लोगों ने उन्हें टोका तो उन्होंने इसमें सुधार किया। उन्होंने बप्पा की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, 'गणपति बप्पा मोरया। लाल बाग च राजा'। इसके बाद एक अन्य दूसरे पोस्ट में बिग बी ने लिखा, 'हमारे एक शुभचिंतक ने कहा कि हमने कल के ट्वीट में गलत शब्द लिख दिया है तो उसे सही कर रहा हूं। मैंने लिखा था 'लालबाग 'च' राजा'। उन्होंने कहा यह होना चाहिए 'चा' सो सही कर रहा हूं। लालबाग चा राजा'।

नींद से भरी अनन्या पांडे ने मीडिया को पोज देने से किया मना, कहा- '5 बजे उठी हूं मुझे जानें दें'

मुंबई में फिल्मफेयर ग्लैमर एंड स्टाइल अवार्ड्स 2025 का आयोजन किया गया। इसमें कई फिल्मी सितारे शानदार ड्रेस में पहुंचे। इन सबके बीच, अनन्या पांडे ने दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा। अभिनेत्री की कई तस्वीरें और वीडियो अब सोशल मीडिया पर सामने आए हैं। अभिनेत्री ने फिल्मफेयर ग्लैमर एंड स्टाइल अवार्ड्स 2025 में फीमेल यूथ स्टाइल आइकन का पुरस्कार जीता।

अनन्या बोलीं 5 बजे उठी हूं

इंस्टाग्राम पर वायरल एक वीडियो में देखा जा सकता है कि अनन्या अपनी टीम के सदस्यों के साथ कार्यक्रम के बाद अपनी कार की ओर जा रही हैं। इस दौरान कई लोग उनसे रुकने और पोज देने के लिए कहते हैं।

हालांकि अनन्या नहीं रुकीं। वह अपनी टीम के साथ आगे बढ़ती रहीं। उन्होंने लोगों से कहा 'मैं 5 बजे उठी हूं।' इसके बाद उन्होंने लोगों से गुजारिश की कि उन्हें जानें दें। फिर वह अपनी कार की ओर चली गईं। फोटोग्राफर उनके पीछे-पीछे चल पड़े।

यूजर्स ने वीडियो पर किए कमेंट

इस वीडियो पर कई यूजर्स ने कमेंट किए। एक यूजर ने लिखा 'बहुत दिक्कत हुई होगी।' एक दूसरे यूजर ने लिखा 'क्या आपको घर जाकर खाना बनाना है।' एक और यूजर ने लिखा है कि 'मैं हर रोज 4 बजे उठता हूं।' एक अन्य ने लिखा 'आप बहुत खूबसूरत हैं।'

अनन्या का काम

अभिनेत्री ने हाल ही में कार्तिक आर्यन के साथ अपनी अपकमिंग फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' की शूटिंग पूरी की है।

समीर विद्वांस द्वारा निर्देशित और करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा समर्थित यह फिल्म अगले साल रिलीज होगी। फिल्म में नीना गुप्ता और जैकी श्रॉफ भी अहम भूमिकाओं में हैं। अनन्या फिल्म 'चांद मेरा दिल' में भी काम कर रही हैं।

उर्मिला मातोंडकर ने जमकर किया डांस

'रंगीला' के 30 साल पूरे होने का मनाया जश्न

जब उर्मिला मातोंडकर ने फिल्म 'रंगीला' में अभिनय किया तो यह फिल्म उनके करियर को बदलने वाली साबित हुई।

इस फिल्म ने उन्हें बॉलीवुड की 'रंगीला गर्ल' बना दिया। इसके बाद उर्मिला का करियर ऊचाइयों पर पहुंच गया। आज सोमवार यानी 8 सितंबर को 2025 को फिल्म 'रंगीला' ने 30 साल पूरे कर लिए हैं। अपनी इस फिल्म को लेकर ही इंस्टाग्राम पर उर्मिला ने एक पोस्ट साझा की है।

उर्मिला ने लिखा- रंगीला सिर्फ एक फिल्म नहीं थी

अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में उर्मिला मातोंडकर लिखती हैं, 'रंगीला, सिर्फ एक फिल्म नहीं थी, यह एक अहसास था और आज भी है। इसमें खुशी, उम्मीद, सपने, स्ट्रगल जैसी कई बातें शामिल थीं, यह जिंदगी का एक सेलिब्रेशन था। हर सीन हमें मासूमियत भरी दुनिया में ले जाता है। हर गाने में नवरस थे।'

रंगीला गर्ल ने दर्शकों को कहा शुक्रिया

आगे अपनी पोस्ट में उर्मिला लिखती हैं, 'इस फिल्म से एक मासूम लड़की बड़े पर्दे पर आती है और लोगों के दिलों पर छा जाती है। आज से तीस साल पहले 'रंगीला' से आपका परिचय हुआ था। मुझे यकीन है कि आज भी इसमें आपको पहले वाले वक्त में वापस ले जाने की ताकत है। मुझे अपने जिंदगी का हिस्सा बनाने के लिए। इतने प्यार से गले लगाने के लिए और उस मुकाम पर पहुंचाने के लिए शुक्रिया।'

आमिर खान और जैकी श्रॉफ भी थे फिल्म का हिस्सा

फिल्म 'रंगीला' 8 सितंबर 1995 को रिलीज हुई। इस फिल्म को राम गोपाल वर्मा ने निर्देशित किया। फिल्म में आमिर खान, जैकी श्रॉफ जैसे चर्चित कलाकार भी थे। आमिर खान का टपोरी लुक आज भी दर्शकों को याद है।

प्रभारी मंत्री ने किया बाढ़ प्रभावित शरणालयों का निरीक्षण, दिये निर्देश

नोएडा (चेतना मंच)। प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह ने तहसील सदर के सेक्टर-135 ग्रेटर नोएडा स्थित यमुना नदी के बढ़े जलस्तर से प्रभावित परिवारों हेतु बनाए गए शरणालय का स्थलीय निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने वहां पर रह रहे लोगों के लिए भोजन, शुद्ध पेयजल, चिकित्सा, आवासीय व्यवस्था तथा अन्य सभी मूलभूत सुविधाओं का गहन जायजा लिया। उन्होंने वहां पर रह रहे लोगों से मिल रही सुविधाओं के संबंध में फीडबैक प्राप्त की जोकि संतोषजनक मिली। इस अवसर पर विधायक दादरी तेजपाल सिंह नगर, जिला अध्यक्ष गौतमबुद्धनगर अभिषेक शर्मा, जिला अध्यक्ष महानगर नोएडा महेश चौहान, जनप्रतिनिधि, जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर मेधा रूपम, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी नोएडा संजय खत्री, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, उप जिलाधिकारी सदर आशुतोष गुप्ता, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग कंचन, तहसीलदार सदर प्रतीक चौहान एवं संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मंत्री ने प्रभावित परिवारों को राहत किट वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने शरणालय में प्रभावित परिवारों के बच्चों हेतु संचालित अस्थायी पाठशाला का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि इस व्यवस्था को नियमित रखा जाए, ताकि बच्चे पढ़ाई से वंचित न हों। इस अवसर पर मंत्री जी ने बच्चों को चप्पलें, पठन-पाठन सामग्री एवं अन्य आवश्यक वस्तुएं वितरित कर उनका उत्साह बढ़ाया।

इसके पश्चात् प्रभारी मंत्री ने अस्थायी गौशाला का निरीक्षण किया, जहां बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से रेस्क्यू कर लाए गए पशुओं को सुरक्षित रखा गया है। इस अवसर पर मंत्री द्वारा गाय को फूल माला पहनकर गुड का सेवन कराया। उन्होंने वहां चारा, स्वच्छ पेयजल, चिकित्सकीय देखभाल एवं आश्रय की व्यवस्था को देखा तथा अधिकारियों को निर्देशित किया कि पशुओं की देखभाल में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

इसके बाद मंत्री ने सेक्टर-150 स्थित बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का भी निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही वहां टेंट लगाकर रह रहे परिवारों से संवाद कर अपील की कि जिला प्रशासन द्वारा बनाए गए शरणालयों में रहना कहीं अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक है। शरणालयों में रहने, भोजन, चिकित्सा और अन्य मूलभूत सुविधाएं सुदृढ़ तरीके से उपलब्ध कराई जा रही हैं। मंत्री ने टेंट में रह रहे लोगों को प्रेरित किया कि वे शीघ्र ही शरणालयों में स्थानांतरित हो जाएं, ताकि उन्हें बेहतर देखभाल और सुविधाएं मिल सकें।

सेवा पखवाड़ा को लेकर भाजपा ने की कार्ययोजना बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर की जिला कार्यालय, सेक्टर-116 में सेवा पखवाड़ा अभियान की कार्ययोजना बैठक आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष महेश चौहान ने की।

बैठक को संबोधित करते हुए श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना संपूर्ण जीवन देश सेवा को समर्पित कर दिया है। इसीलिए भाजपा कार्यकर्ता हर वर्ष प्रधानमंत्री का जन्मदिवस सेवा पखवाड़ा अभियान के रूप में जनता के साथ मिलकर मनाते हैं। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है और 17 सितम्बर को प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर भाजपा पूरे देश में रक्तदान शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करेगी।

उन्होंने आगे कहा कि GST में हाल ही में किए गए सुधार प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता और जनकल्याणकारी सोच का परिणाम हैं। भारत सरकार राष्ट्र को विकसित, सशक्त और समृद्ध बनाने की दिशा में सतत प्रयासरत है।

श्री चौहान ने कहा कि नोएडा में हाल ही में ड्रोन फैक्ट्री का उद्घाटन रक्षामंत्री राजनाथ सिंह द्वारा किया गया। यह भारत की बढ़ती तकनीकी क्षमता का प्रमाण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि निकट भविष्य में भारत स्वदेशी फाइटर जेट का निर्माण कर दुनिया में अपनी सामरिक शक्ति का लोहा मनवाएगा।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत निर्मित आकाश रक्षा कवच ने दुश्मनों को कड़ा जवाब दिया और भारत की बेटियों ने भी विश्व पटल पर अपनी असाधारण शक्ति का परिचय दिया।

बैठक में अभियान संयोजक चंदगीराम यादव ने सभी पदाधिकारियों को उनके दायित्वों से अवगत कराते हुए सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम की रूपरेखा विस्तार से प्रस्तुत की।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे और सेवा पखवाड़ा को सफल बनाने का संकल्प लिया। जुगराज चौहान, अमित त्यागी, पूनम सिंह, गिरिजा सिंह, सुशील शर्मा, युद्धवीर चौहान, महेश अवाना, ओमवीर अवाना, विनोद शर्मा, धर्मेंद्र गुप्ता, मनीष शर्मा, भूपेश चौधरी, मनोज चौहान, गौतम शर्मा रामकिशन यादव, शशिधर उपाध्याय, प्रदीप चौहान, नीरज चौधरी, एहसान खान, सत्यनारायण महावर, हर्ष चतुर्वेदी, सुचित्रा कक्कड़, अर्पित मिश्रा, प्रज्ञा पाठक, प्रमोद बहल, सुरेंद्र चमोली, शारदा चतुर्वेदी, अमरीश त्यागी, उमेश यादव, राहुल शर्मा, प्रसनजीत मित्रा, ओबीसी मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष जयप्रकाश प्रजापति, कालीचरण, अरुण चौहान, सहित जिले एवं मंडल के सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सेक्टर-82 में विद्युत विभाग के एसडीओ ने किया दौरा

नोएडा (चेतना मंच)। विद्युत विभाग के एसडीओ दिनेश कुमार ने पॉकेट-7 सेक्टर-82 का दौरा कर वहां की समस्याओं को जाना। आरडब्ल्यूए की टीम ने उन्हें मौके पर ले जाकर समस्या से अवगत कराया।

इस अवसर पर आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने बताया कि कई मीटर पैनल बॉक्स अभी भी जर्जर अवस्था में हैं जिससे कोई हादसा हो सकता है जिनको तुरंत बदलवाने की आवश्यकता है। आधे से ज्यादा केबल को अंडर ग्राउंड कर दिया गया था लेकिन बाकी बची हुई केबल को अभी तक अंडर ग्राउंड नहीं किया गया है। जहां ट्रांसफार्मर लगे हैं उनके पैनल खुले में लगे हैं इसके लिए कोई सुरक्षा का इंतजाम नहीं किया गया है जिससे कभी भी कोई दुर्घटना हो सकती है।

ट्रांसफार्मर के पास लगे जाली के गेट बंद करवाए जाएं जिससे सुरक्षा बनी रहे। विद्युत पोल जो जर्जर अवस्था में हैं उनको प्राथमिकता से बदलने की बात अधिकारियों ने की थी लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। बिजली से जुड़ी अन्य समस्याओं से भी आरडब्ल्यूए ने एसडीओ को अवगत कराया।

एसडीओ दिनेश कुमार ने समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष रवि राघव, गोरे लाल, विकास कुमार सहित कई आरडब्ल्यूए पदाधिकारी एवं विद्युत विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

श्री राधामाधव रसामृत कथा में उमड़े श्रद्धालु

नोएडा (चेतना मंच)। दिव्य प्रेम सेवा मिशन के सेवा प्रकल्पों को समर्पित पूज्या साधना श्रीजी के श्रीमुख से ग्रेटर नोएडा में 5 से 7 सितंबर तक आयोजित श्री राधामाधव रसामृत कथा का विराम दिवस पूरी भव्यता के साथ जीएनओआइटी कैंपस, ग्रेटर नोएडा में सम्पन्न हुआ।

कथा में दिव्य प्रेम सेवा मिशन के अध्यक्ष डॉ आशीष गौतम भैया, विधायक तेजपाल नागर, पूज्य भोला बाबा, मुख्य यजमान राजेश गुप्ता, श्रीमती सपना गुप्ता, सेवा मिशन के महामंत्री डॉ नितिन अग्रवाल, अंचल संयोजक विनय चौधरी, मुकेश गोयल, गौरव गुप्ता, नंदलाल सिंह, उमेश निगम, जितेन्द्र अहलावत, सोनू सेंगर, ओमवीर सिंह, राजेश सिंह, विकास पुंडीर, अरविंद सिंह, वरुण पुंडीर, धनंजय सिंह, शिवम, नितिन जोशी, स्मिता अग्रवाल, प्रमिला, प्रज्ञा पाठक, काजल थापा, प्रज्ञा सिंह, अंजलि पुंडीर, आरती शर्मा, पारुल सिंह, रीता सिंह, कविता सिंह सहित अनेक कार्यकर्ता व नगर के श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पितृ पूजन व तर्पण कर पिता को दी श्रद्धांजलि

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने अपने पिता स्वर्गीय चौधरी हरशरण सिंह भाटी के श्राद्ध पर्व पर पितृ पूजन और तर्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। पिता के श्राद्ध पर्व पर उन्होंने सलारपुर स्थित कार्यालय पर भंडारे का आयोजन किया। जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने इस मौके पर कहा कि श्राद्ध पूर्वजों के प्रति सच्ची श्रद्धा और कृतज्ञता का प्रतीक है, जिससे पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

भंडारे के अलावा उन्होंने बाढ़ पीड़ितों में भोजन वितरण के लिए टिकेत रथ को भी रवाना किया। इस मौके पर लोगों ने चौधरी हरशरण सिंह भाटी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर परविंदर अवाना, रविंद्र भगतजी, राजेंद्र भाटी, चंद्रभान सिंह, संजय फौजी, विपिन प्रधान, दीपक भाटी,सिंहराज गुर्जर, अरविंद रेक्सवाल, अजय गुर्जर, पार्थ गुर्जर, अनिल अवाना, नवीन अवाना, सतपाल अवाना, सचिन भाटी, राजकुमार प्रजापति, रविंद्र चौहान सहित कई किसान नेताओं ने यमुना किनारे प्रसाद वितरण में योगदान दिया।

नोएडा एम्पलाइज एसोसिएशन ने लगाया नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा एम्पलाइज एसोसिएशन नोएडा प्राधिकरण की ओर से एसोसिएशन कार्यालय सेक्टर-6 में नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया। शिविर मानस सुपरस्पेसलिटी हॉस्पिटल नोएडा के सहयोग से किया गया। कैंप का उद्घाटन नोएडा प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी संजय कुमार खत्री ने किया।

एसीईओ संजय कुमार खत्री ने प्राधिकरण कर्मचारियों को जाँच शिविर में भाग लेने के लिए प्रेरित किया उन्होंने कहा कि व्यक्ति को शारीरिक रूप से स्वस्थ रहना बहुत आवश्यक है। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने की सलाह भी दी। उन्होंने नोएडा एम्पलाइज एसोसिएशन के मुहिम की सराहना की। शिविर में प्राधिकरण के 150 से अधिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपनी स्वास्थ्य जांच करवाई।

इस अवसर पर एसोसिएशन के अध्यक्ष चौ. राजकुमार सिंह, महासचिव जितेंद्र कुमार, उपाध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा, सचिव नीरज राणा, कोषाध्यक्ष सुभाष चंद्र, डा नमन शर्मा, डा आदर्श चौहान, डा राहुल कुमार, डा डिंपल आदि मौजूद रहे।